UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-192 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 24 जून 2026 youngbharatE-paper.com

योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख, घायलों को 50 हजार

केंद्र ने 2 लाख और 50 हजार देने का ऐलान किया

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित एक बिल्डिंग में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50,000 रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। वहीं, केंद्र सरकार ने भी 2-2 लाख मृतक के परिजनों को और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने का ऐलान किया है।

हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। इसके साथ ही किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पहुंचकर घायलों एवं उनके परिजनों से भेंट की और चिकित्सकों से घायलों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की सीएम योगी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी। मैंने लखनऊ में आग लगने की घटना वाली जगह का मुआयना किया और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचकर इस दुखद घटना में घायल लोगों और उनके परिवारों से मिलकर उनका हालचाल जाना। साथ ही डॉक्टरों से घायलों के इलाज के बारे में जानकारी ली। कुशल डॉक्टरों की देखरेख में सभी घायलों का उचित इलाज प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिल दहला देने वाली घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उन परिवारों के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यूपी सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ सभी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मैं भगवान श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस घटना में असमय जान गंवाने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। हादसे में मृतकों और घायलों के नाम सामने आए हैं। इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों में सागर, नीलेश, अनामिका, संयम, अनुच्छा, सुखमनी, आदित्य श्रीवास्तव, ज्योति, भविष्य, अब्दुल रहमान, सूरज, भाहजान, जयनिल चक्रवर्ती, मोहम्मद अम्मार, और सुमल्या शामिल हैं। वहीं, जयंत, लवप्रीत, मोहम्मद आसिफ, भुवन श्रीवास्तव, पंकज, शैलेंद्र, अभिषेक, पंकज जोशी और गौरव कुमार घायल हुए हैं।

शर्मनाक! नाबालिग भतीजे से जबरन संबंध बनाती रही चाची, ढ़ाई साल तक चलता रहा घिनौना खेल

(यंग भारत न्यूज)

अलीगढ़। प्रदेश के अलीगढ़ जिले से एक ऐसा हैरान कर देने वाला और रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर दिया है। यहां एक 40 वर्षीय महिला पर अपने ही 17 साल के नाबालिग भतीजे के साथ जबरन अवैध संबंध बनाने का एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगा है।

पीड़ित नाबालिग लड़के का आरोप है कि उसकी सगी रिश्ते की चाची पिछले ढाई साल से उसे डरा-धमकाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना रही थी। इस हैरतअंगेज घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और हर कोई इस शर्मनाक वाकये को सुनकर दंग है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी खौफनाक वारदात अलीगढ़ के इगलास थाना इलाके के एक गांव की है। पीड़ित 17 वर्षीय नाबालिग लड़के ने अपनी चाची की इस काली करतूत का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी महिला की उम्र 40 वर्ष है। महिला ने लड़के की कमउम्र का फायदा उठाते हुए उस पर नाजायज दबाव बनाया। पीड़ित का आरोप है कि चाची उसे लगातार धमकी देती थी कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी, तो वह उसे रेप (बलात्कार) के झूठे मामले में

फंसाकर जेल भिजवा देगी। बदनामी और जेल जाने के इसी डर का फायदा उठाकर आरोपी महिला पिछले ढाई साल से नाबालिग के साथ लगातार जबरन अवैध संबंध बनाती आ रही थी। हद तो तब हो गई जब ढाई साल तक नाबालिग का यौन शोषण करने के बाद भी आरोपी महिला का मन नहीं भरा। पीड़ित लड़के के मुताबिक, अब वह 40 वर्षीय चाची उस पर जबरन शादी करने का भयानक दबाव बना रही थी। महिला की इस जिद और प्रताड़ना से तंग आकर आखिरकार इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ। महिला की हरकतों और लगातार मिल रही धमकियों के कारण पीड़ित नाबालिग लड़के की हालत बेहद खराब हो गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। फिलहाल पीड़ित लड़का अस्पताल में उपचाराधीन है। इस हैरतअंगेज और शर्मनाक घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी 40 वर्षीय चाची को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस पूरे सनसनीखेज मामले की गहनता से तफ्तीश कर रही है कि आखिर इतने लंबे समय तक इस खौफनाक खेल को कैसे अंजाम दिया जाता रहा। वहीं, इस घटना के बाद से गांव और आसपास के क्षेत्रों में तनाव और सन्नाटे का माहौल है। खून के रिश्ते को कलंकित करने वाली इस घटना ने समाज की सोच पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

सुर्खियां.............

कुएं के जीर्णोद्धार के साथ ही वहां सौर ऊर्जा से संचालित पानी की टंकी और आरओ प्लांट की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के वार्ड संख्या आठ घुआताल में स्थित ऐतिहासिक कुएं के जीर्णोद्धार के साथ ही वहां सौर ऊर्जा से संचालित पानी की टंकी और आरओ प्लांट लगाए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मोहल्ले के लोगों ने इन सुविधाओं की मांग नगर पालिका प्रशासन से की है।

वारंटी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। विभिन्न मामलों में न्यायालय द्वारा वांछित चल रहे वारंटी को कोतवाली पुलिस ने पकड़कर न्यायालय में पेश किया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हिरदेशाह निवासी दीदार अली विभिन्न मामलों को लेकर काफी समय से न्यायालय द्वारा वांछित चल रहा था। न्यायालय में हाजिर न होने पर उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। सोमवार की रात कोतवाली में तैनात एसआई सुरेश वर्मा को सूचना मिली कि वारंटी अपने मोहल्ले में घूम रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दीदार आली को पकड़कर न्यायालय में पेश किया है।

20 क्वार्टर सहित एक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । अवैध रूप से बेचने के लिए ले जा रहे 20 क्वार्टर सहित एक व्यक्ति को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। चौकी प्रभारी मनीष कुमार तिवारी को सूचना मिली कि लौना मार्ग पर गाय माता मंदिर के पास एक व्यक्ति नशीला पदार्थ बेचने के लिए ले जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोहल्ला रापटगंज निवासी संदिग्ध शिवकुमार को रोककर जब उसके थैले की तलाशी ली तो उसमें से 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद किए। पूछतांछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह अवैध रूप से शराब बेचने के लिए ले जा रहा था।

लखनऊ अग्निकांड; 15 लोगों की मौत

सीएम योगी बोले-एक भी जिम्मेदार को बख्शेंगे नहीं

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः राजधानी के अलीगंज इलाके में तीसरे तल पर स्थित एक गेमिंग जोन और सॉफ्टवेयर ऑफिस में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई. इस घटना में 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 लोग घायल हैं. जिनका इलाज केजीएमयू में चल रहा है. आग इतनी भीषण थी कि कई लोग बिल्डिंग से नीचे कूद गए. इसके लिए लटक रहे तार को जरिया बनाया. बताते हैं कि जब आग लगी तो गेमिंग जोन कुछ स्टूडेंट्स भी मौजूद थे. इस बीच अलीगढ़ पहुंचे सीएम योगी दौरा छोड़कर लखनऊ घटनास्थल पहुंच गए. सीएम ने घटना के जांच के आदेश दिए हैं. सीएम ने केजीएमयू पहुंचकर भी घायलों का हालचाल जाना. साथ ही कहा कि किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को बख्शेंगे नहीं. कुछ देर में रक्षा मंत्री और स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ पहुंच रहे हैं.

इस बीच पीएम मोदी ने भी लखनऊ

की घटना पर शोक जताया है. साथ ही मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है. इस क्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने भी मृतकों के प्रति शोक संवेदना जताई तीन गिरफ्तार : मामले में थाना अलीगंज में उत्तर प्रदेश अग्नि शमन सेवा अधिनियम के तहत 4 नामजद अभियुक्त एवं अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. पुलिस ने तीन आरोपियों को रामकृष्ण उपाध्याय (43), वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला (62), पुत्र रामेश्वर प्रसाद शुक्ला निवासी 536/265 मदेयगंज नियर बड़ा दुर्गा मंदिर सीतापुर रोड लखनऊ और कृष्णा जायसवाल (31) पुत्र स्व. कृष्ण कुमार जायसवाल, पता 441 क्रह्/ 69 / 3 नीलकंठ हॉस्पिटल लेन बालागंज लखनऊ थाना ठाकुरगंज को गिरफ्तार किया है.

चार पर गिरी गाज : वहीं मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर चार लोगों गौरव कुमार एक्सचेंज कलेक्शन जानकीपुरम, कमलेन्द्र कुमार सिंह स्त्रस्स्ह्र इंदिरा नगर, अनिल कुमार, श्व और प्रमोद पांडेय छ्व्श्व को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है. सस्पेंड होने वालों में 2 एलडीए के एक ऊर्जा विभाग तथा एक फायर विभाग के अफसर हैं. सीएम ने बिल्डिंग का निरीक्षण किया : सीएम योगी अलीगंज स्थित अग्निकांड स्थल पर पहुंचे. उन्होंने बिल्डिंग का निरीक्षण किया और बगल के भवन की छत पर जाकर भी हालात के बारे में जाना. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से हादसे की पूरी जानकारी ली. उन्होंने अग्निकांड के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के भी निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले बच्चों की मौत पर गहरा शोक प्रकट किया. उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया. मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया : मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से भी मुलाकात की. मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक प्रकट करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया. उन्होंने परिजनों के आंसू भी पोंछे. कहा कि हम किसी की जिंदगी तो नहीं लौटा सकते, लेकिन विश्वास दिलाते हैं कि दोषी किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे. सरकार परिजनों के साथ है.अग्निकांड की भयावहता को देखते हुए मौके पर मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, एसीएस होम संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण, छ्व्र फ़ायर सुजीत पांडेय, सीपी लखनऊ , डीएम लखनऊ आदि पहुंच गए. सिविल अस्पताल की चार सदस्यीय टीम के साथ ही तीन एंबुलेंस भी मौके पर भेजी गईं. सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में बेड संख्या 23 से 30 तक खाली करा लिए गए. डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 12 से 14 लोगों की मौतों की आशंका जताई. जबकि, लखनऊ केजीएमयू चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमीय अग्रवाल के मुताबिक, 15 लोगों की मौत हुई है. घटना की भयावहता को देखते हुए सीएम योगी अलीगढ़ का दौरा छोड़कर लखनऊ रवाना हो गए. अलीगढ़ में मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी हार्दिक इच्छा थी कि आज मैं अलीगढ़ में रहूं, लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी-अभी मुझे जानकारी मिली है लखनऊ में एक अग्निकांड की दुखद घटना हुई है. उसकी चपेट में कुछ बच्चे आये हैं, उनकी दुखद मौत हुई है. इसलिए मुझे तत्काल वापस जाना पड़ रहा है, जिन्होंने जान खोई उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं.

झांसी मंडल की कुल नौ विधानसभा सीटों में सपा के कौन है तगड़े दावेदार?

अनिल शर्मा + संजय श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

उरई। समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व झांसी मंडल की झांसी ललितपुर जालौन जिले की कुल 9 विधानसभा सीटों में यदि सही पैनल बनता है। तो यह विधान सभा के तगड़े उम्मीदवार साबित हो सकते हैं द्य सबसे पहले जालौन जिले में कुल तीन विधानसभा सीटे है उरई विधानसभा सीट सुरक्षित है। पी डीए के हिसाब से नेतृत्व इस सीट पर कोरी बिरादरी को सीट न देकर चौधरी समाज को टिकट देने का मन बनाया है क्योंकि कोरी बिरादरी भाजपा का वोट बैंक मानी जाती है सपा नेतृत्व में नेपूर्व एमएलसी तथा कुशल संगठन करता तिलकचंद अहिरवार है, तथा वर्तमान सांसद नारायण दास अहिरवार के पुत्र राजीव कुमार अहिरवार को यदि टिकट दिया जाता है लिए तो भाजपा प्रत्याशी से इनका सीधा और कम मुकाबला होगा। इसी तरह यदि माधौगढ से समाजवादी पार्टी पूर्व मंत्री हरिओम उपाध्याय तको टिकट देती है। तो वह ब्राह्मण दलित यादव मुस्लिम के वोटो के दम पर निर्णायक लड़ाई लड़ सकते हैं इसी तरह यदि सपा नेपूर्व युवराज केशवेंद्रसिंह को टिकट देती है ठाकुर मुस्लिम यादव और दलित फोटो के साथ भाजपा के प्रत्याशी को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। उधर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व दोहरे समाज के किसी नेता पर भी दांव अजमासकता है। इसी तरह कालपी विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री श्री रामपाल का नाम लगभग तय

माना जा रहा है। लेकिन इस सीट के लिए, रश्मि पाल, पूर्वब्लॉक प्रमुख समर सिंह गुड्डू को भी दावेदार माना जा रहा है सपाके कुछ नेताओं का मानना है यदि पिछले बार बसपा के प्रत्याशी रहे संजय भदोरिया को यदि सपा से प्रत्याशी बनाया जाए। तो वह 84 गांव केठाकुर विरादरीके साथ-साथ मुस्लिम यादव के वोट से वे एक मजबूत प्रत्याशी के रूप में कालपी में मजबूत बन सकते हैं। इसी तरह झांसी जनपद में कुल चार सीटों में मऊरानीपुर के सीट सुरक्षित है जहां चौधरी समाज के किसी नेता को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। जहां तक बबीना सीट का सवाल है सपा वहां से इस सीट के प्रभारी पूर्व विधायक कप्तान सिंह राजपूत की धर्मपत्नीश्री मतीउर्मिला राजपूत को प्रत्याशी बनाने का मन बना चुका है। यदि भाजपा ने पूर्व विधायक केपी सिंह राजपूत को टिकट दिया तो लड़ाई लोधी बनाम लोधी हो जाएगी। लेकिन ज्यादा चर्चा यही है कि भाजपा एक बार फिर अपने दो बार के विधायक राजीव सिंह परीक्षा को टिकट दे सकती है। इसलिए यहां पर लोधी राजपूत जहां उर्मिला राजपूत के साथ जाएगा वही राजीव सिंह परीक्षा जो यादव बिरादरी के हैं उन्हें यादव बिरादरी का कितना वोट मिलता है यह देखना है क्योंकि लोधी राजपूत यदि समाजवादी पार्टी का आधार वोट यादव और मुस्लिम का वोट मिल जाता है। तो इस बार सपा की संभावित प्रत्याशी श्रीमती उर्मिला राजपूत राजीव सिंह परीक्षा को तगड़ी चक्कर देकर बाजी मार सकती हैं। जबकि गरौठा विधानसभा क्षेत्र से इस बार गरौठा विधान सभा सीट से यदि बृजेंद्र उर्फ डमडम महाराज को टिकट दिया जाता है तो वह भाजपा प्रत्याशी से तगड़ी लड़ाई लड़ेंगे इसके अलावा कंचन राजपूतभी सपा के तगडे उम्मीदवार हो सकते हैं। ऐसी चर्चा है सपा के सुप्रीमो इस बार यादव और मुस्लिम नेताओं को कहा हैद्य इस चुनाव में वह धैर्य रखें और ओबीसी की अन्य जातियांऔर दलितको ज्यादा चुनाव लड़ने दे । सत्ता आने पर उनका विशेष ध्यान दिया जाएगा। अगर यादव और मुस्लिम नेता चुनाव लड़ने से मान गए। तो सपा को अच्छी सफलता मिल सकती है। इसी तरह समाजवादी पार्टी ललितपुर जनपद में दो सीटों में जिसमें महरौली सुरक्षित सीट है किसी अहिरवार जाति केनेताकोचुनाव लड़ा सकती है इसमें अशोक अहिरवार का नाम तेजी से चल रहा है। वहीं सपा के कुछ नेताओं का मानना है यदि पूर्व मंत्री दादू प्रसाद यदि महोबा की जगह महरौनी से चुनाव लड़ाया जाता तो वह आसानी से चुनाव जीत सकते हैं। जबकि ललितपुर सीट से श्रीमती ज्योति लोधी का नाम फाइनल माना जा रहा है वह वहां भाजपा के विधायक राम रतन कुशवाहा को लोधी यादव और मुस्लिम आधार वोट के आधार पर तगड़ी टक्कर देने जा रही है।

आत्मनिर्भर बालिका शिविर में छात्राओ को दिया जा रहा प्रशिक्षण

कला,कौशल और संस्कार का अनूठा संगम है प्रशिक्षण शिविर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के गल्ला मंडी स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज, सरस्वती शिशु मंदिर एवं शिशु वाटिका में आयोजित छह दिवसीय निशुल्क आत्मनिर्भर बालिका शिविर में छात्राएं विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशल का विकास कर रही हैं। सुबह 10 बजे से संचालित हो रहे इस शिविर में नगर एवं विद्यालय की लगभग 35 छात्राएं सहभागिता कर रही हैं।शिविर प्रमुख ज्योति गुप्ता, शिवानी सिंह एवं साधना चतुर्वेदी ने बताया कि विद्यालय की प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा के निर्देशन में बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न उपयोगी और रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में कला, अंग्रेजी स्पीकिंग, कढ़ाई, मेहंदी,

क्राफ्ट वर्क, जूडो-कराटे, मेकअप, डेकोरेशन, बेकरी, योग, सिलाई तथा नृत्य जैसी अनेक विधाओं की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।प्रशिक्षण के दौरान छात्राएं न केवल नई-नई कलाएं सीख रही हैं, बल्कि आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता और स्वरोजगार से जुड़ी उपयोगी जानकारी भी प्राप्त कर रही हैं। शिविर में प्रशिक्षिकाएं बालिकाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रही हैं।

प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भविष्य में इन विधाओं का उपयोग कर अपने जीवन को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में भी सकारात्मक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल विकास आज की आवश्यकता है और ऐसे शिविर छात्राओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर के सफल संचालन में नगर की अर्चना निरंजन, रजनी डेगरे, सीमा पहरिया एवं पोयम कुशवाहा का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। वहीं विद्यालय के विवेक तिवारी, सरोज खरे सहित समस्त विद्यालय परिवार व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे है। शिविर में छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा है।

कैलिया पुलिस ने दो वारंटियो को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के थाना कैलिया पुलिस ने दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में फरार चल रहे दो वारंटियो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार व उपनिरीक्षक संतोष सिंह ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर अभियुक्त चन्दन निवासी ग्राम धौरपुर थाना कैलिया और लक्ष्मी उर्फ राकेश कुशवाहा निवासी ग्राम धौरपुर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट कोंच न्यायालय से संबंधित मामले में वारंट जारी था।उक्त वारंटी दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने की धाराओं में वंचित चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों वारंटी अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

स्कूल की बाउंड्री वॉल तोड़ने के मामले में एसडीएम ने ठेकेदार व जेई को तलब किया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के उच्च प्राथमिक विद्यालय सुनायां की बाउंड्रीवाल तोड़कर नाला बनाने के लिए पूरा विद्यालय परिसर खोद दिए जाने को लेकर उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने ठेकेदार और संबंधित अवर अभियंता को तलब किया है। हालांकि यह मामला रविवार को एसडीएम हेमंत पटेल के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने संबंधित ठेकेदार और जेई को तलब कर लिया है, लेकिन सोमवार को एक बार फिर इस पूरे मामले की शिकायत पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुनायां प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुनील दत्त और प्रधानाध्यापक हरीमोहन सिंह निरंजन ने एसडीएम से की है जिसकी प्रतियां खंड शिक्षाधिकारी कोंच एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी जालौन को भी भेजीं गई हैं। शिकायत में स्कूल प्रबंधन का कहना है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुनायां में ठेकेदार ने नाला बनाने के लिए विद्यालय की बाउंड्री तोड़कर पूरा स्कूल मैदान जेसीबी मशीन से खोद दिया और ऐसा करने के लिए उन्होंने न उनसे और न ही उनके स्टाफ में किसी भी अध्यापक को बताया। विद्यालय में जाने के लिए कहीं से रास्ता नहीं है, न ही शौचालय में जाया जा सकता है और न ही किचिन में। 16 जून को जब स्टाफ के लोग विद्यालय पहुंचे तो उन्होंने मजदूरों से ठेकेदार का मोबाइल नंबर लिया और बात की तो उन्होंने एक-दो दिन में विद्यालय की सफाई कराने का आश्वासन दिया था। इसके बाद शासन द्वारा छुट्टियां बढ़ा दी गईं। स्कूल स्टाफ 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दिन विद्यालय में योग कराने के लिए गए तो विद्यालय की जो स्थिति थी उसमें योग करना संभव नहीं हो पाया। 25 जून से विद्यालय में पठन पाठन शुरू होना है ऐसी स्थिति में बच्चों व विद्यालय स्टाफ व रसोईयों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी है। उन्होंने उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। गौरतलब है कि गांव के पानी की निकासी के लिए जिला पंचायत द्वारा प्राइमरी स्कूल से जूनियर हाईस्कूल तक करीब 365 मीटर लंबा और एक मीटर चौड़ा नाला बनाया जा रहा है। ठेकेदार ने उच्च प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री बाल तोड़कर बीच मैदान से नाला खोदकर निर्माण शुरू कर दिया और विद्यालय प्रशासन या शिक्षा विभाग को कोई सूचना तक नहीं दी गई।

क्या कहा एसडीएम ने

कोंच इस पूरे मामले को लेकर उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने नाराजी व्यक्त करते हुए ठेकेदार और संबंधित अवर अभियंता को तलब कर ठेकेदार को नाला कंप्लीट हो जाने के बाद स्कूल की स्थिति ज्यों की त्यों करने के निर्देश दिए गए।

बस संचालक नियमों की अनदेखी कर मनमर्जी से कर रहे बसों का संचालन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। टूरिस्ट परमिट पर चल रही स्लीपर बसों का नगर से होकर संचालन हो रहा है। बस संचालक नियमों की अनदेखी कर मनमर्जी से बसों का संचालन कर रहे हैं। जगह-जगह की सवारी बैठाकर बगैर टिकट के यात्रा करा रहे हैं।परिवहन विभाग द्वारा बसों के संचालन के लिए नियम निर्धारित किए गए हैं। बस संचालक परिवहन विभाग के नियमों की अनदेखी कर बसों का संचालन कर रहे हैं। टूरिस्ट परमिट से चलने वाली लग्जरी स्लीपर बसों के नियम अलग बनाए गए हैं। नगर से निकलने वाली बसें परिवहन विभाग के नियमों की अनदेखी करने में लगी हुई है। देवनगर चौराहे पर अवैध रूप से टिकट बुकिंग सेंटर चलाए जा रहे हैं। जहां सवारियों को यात्रा के दौरान बस का टिकट भी नहीं दिया जाता है। वहीं, टूरिस्ट परमिट पर बस संचालक जगह-जगह बसों को रोककर सवारी बैठा रहे हैं। सवारियों के साथ माल ढुलाई का काम भी हो रहा है। सवारी परमिट पर चल रही बसें माल ढुलाई कर रही है। परिवहन विभाग के नियमों के तहत बस संचालक को सवारियों की बुकिंग करना आवश्यक है और सवारियों को जीएसटी सहित टिकट देना अनिवार्य है। इसके साथ ही सीटों की संख्या के आधार पर ही सवारियों को टिकट बुकिंग संभव है। आरोप है कि इसके बाद भी टूरिस्ट परमिट बस संचालक सवारियों को गैलरी में स्टूल व जमीन पर भी सवारियों को बैठाकर यात्रा करा रहे हैं। इस बाबत परिवहन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि टूरिस्ट परमिट पर जगह जगह की सवारी बैठाने व ओवर सवारी बैठाने के साथ सामान ढोना गैर कानूनी है। इनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

आग से झुलसी महिला- पति सहित ससुरालीजनों के खिलाफ हत्या के प्रयास में मुकदमा दर्ज

-आग लगने से झुलसी नवविवाहिता का ग्वालियर में चल रहा है इलाज, सवा साल पहले हुई थी शादी

-पति से विवाद के बाद हुआ हादसा, महिला का आरोप, पति ने मिट्टी का तेल डालकर आग लगाई

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला नया पटेल नगर में एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में आग से झुलस गई थी। महिला ने पति पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया था। घटना के बाद परिजनों ने उसे नगर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया था जहां से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। हालत गंभीर होने पर महिला को उरई से झांसी और फिर ग्वालियर रेफर कर दिया गया जहां उसका इलाज जारी है। वहीं मामले में महिला के बयानों और उसके पिता की तहरीर पर पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और दहेज उत्पीड़न की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार किशुन कुमार निवासी ग्राम सुलखना की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित पति हरिकृष्ण, ससुर पुनू, सास मीना और ननद निवासी नया पटेल नगर निकट बाबू पैलेस कोंच के खिलाफ हत्या का प्रयास करने और दहेज उत्पीड़न की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।इस संबंध में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। घटना की जांच की जा रही है, साथ ही आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है। गौरतलब है कि नगर के नया पटेल नगर स्थित बाबू पैलेस के पास रहने वाले हरिकिशुन उर्फ बाबूजी की पत्नी महक उम्र 22 वर्ष रविवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में आग से बुरी तरह झुलस गई थी। महिला का आरोप है कि पति अन्य महिलाओं से बातचीत करता है और मना करने पर उसने गुस्से में आकर मिट्टी का तेल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। वहीं महक के पिता ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि पति सहित अन्य ससुरालीजन आए दिन बेटी के साथ मारपीट कर अतिरिक्त दहेज में चार पहिया वाहन की भी मांग लगातार कर रहे थे।

ऊमरी स्टैंड पर शरबत वितरण व भोजन प्रसादी का आयोजन, हर मंगलवार को होता है सुंदरकांड पाठ

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन ऊमरी। बालाजी मंदिर ऊमरी के तत्वावधान में मंगलवार को ऊमरी स्टैंड पर शरबत वितरण एवं भोजन प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं ने राहगीरों, यात्रियों और क्षेत्रवासियों को ठंडा शरबत वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और आयोजन की सराहना की।

मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि बालाजी मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को नियमित रूप से सुंदरकांड एवं धार्मिक पाठ का आयोजन किया जाता है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान बालाजी की पूजा-अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त करते हैं। मंदिर परिसर में होने वाले धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है। कार्यक्रम के दौरान 'जय श्री बालाजी सरकार' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

आयोजन में अरविंद द्विवेदी, निशा द्विवेदी, छोटू महाराज, पवन महाराज, अतुल द्विवेदी सहित अन्य श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मंदिर समिति ने क्षेत्रवासियों से प्रत्येक मंगलवार को होने वाले सुंदरकांड एवं पाठ में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

कुएं के जीर्णोद्धार के साथ ही वहां सौर ऊर्जा से संचालित पानी की टंकी और आरओ प्लांट की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के वार्ड संख्या आठ घुआताल में स्थित ऐतिहासिक कुएं के जीर्णोद्धार के साथ ही वहां सौर ऊर्जा से संचालित पानी की टंकी और आरओ प्लांट लगाए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मोहल्ले के लोगों ने इन सुविधाओं की मांग नगर पालिका प्रशासन से की है।

मोहल्ला घुआताल में पुराना कुंआ है। जिससे लोग पानी भरते थे, समय के साथ उपयोगिता कम होने से कुंए का अस्तित्व समाप्त होने की कगार पर है। यह कुआं पूर्व में आसपास के लोगों के लिए मुख्य जलस्रोत था। जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुके इस कुंए के जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। मोहल्ले के आशुतोष, रामकुमार, विवेक कुमार आदि ने बताया कि कुएं के पुनर्निर्माण और संरक्षण की आवश्यकता है। पुराने जलस्रोत समय पर काफी काम आते हैं। यदि इनका अस्तित्व नष्ट हो जाता है, तो आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग नहीं हो सकेगा। जब कभी बिजली नहीं आती है अथवा नल खराब होते हैं तो इन्हीं जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसलिए कुएं का जीर्णोद्धार आवश्यक है। इसके साथ ही मोहल्ले में सौर ऊर्जा से संचालित पानी की टंकी और आरओ प्लांट स्थापित कराने की भी मांग की है। जिससे लोगों को साफ और सुरक्षित पेयजल मिल सके। बताया कि गर्मियों के मौसम में पेयजल के लिए महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे में आरओ प्लांट और सौर टंकी की व्यवस्था यहां की जल संकट समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।

वारंटी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। विभिन्न मामलों में न्यायालय द्वारा वांछित चल रहे वारंटी को कोतवाली पुलिस ने पकड़कर न्यायालय में पेश किया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हिरदेशाह निवासी दीदार अली विभिन्न मामलों को लेकर काफी समय से न्यायालय द्वारा वांछित चल रहा था। न्यायालय में हाजिर न होने पर उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। सोमवार की रात कोतवाली में तैनात एसआई सुरेश वर्मा को सूचना मिली कि वारंटी अपने मोहल्ले में घूम रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दीदार आली को पकड़कर न्यायालय में पेश किया है।

पैट्रोल पंप डीलरशिप दिलाने के नाम पर 75 लाख रुपये की ठगी करने बाले को क्राइम ब्रांच टीम ने दबोचा

इस मामले में एक अन्य अभियुक्त को पुलिस पहले पहुंचा चुकी सलाखो के पीछे

(यंग भारत न्यूज)

कोंच हिंदुस्तान पेट्रोलियम की डीलरशिप दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से बैंक खाते में जमा कराए गए 39 लाख सहित कुल 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।इसी मामले में एक अन्य इनामी अभियुक्त उमेश कुमार चौहान को पुलिस कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।जिले की अपराध शाखा के निरीक्षक राजेश कुमार पांडेय ने सिपाही सत्येंद्र और अनुज कुमार के साथ मंगलवार को कोंच बस स्टैंड तिराहे से वांछित अभियुक्त शिव कुमार रविदास पुत्र रविंद्र निवासी ग्राम महमदपुर थाना ओंगारी जिला नालंदा बिहार को गिरफ्तार कर लिया। उक्त अभियुक्त 2020 में दर्ज कराए गए धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के मुकदमे में वांछित था और करीब 6 वर्षों से फरार चल रहा था। गौरतलब हो कि कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदारी निवासी शैलेंद्र कुमार गौतम पुत्र कृष्णकुमार गौतम ने बीती 17 अगस्त 2020 को कोतवाली में प्रार्थनापत्र देकर बताया था कि हिंदुस्तान पेट्रोलियम की उसे डीलरशिप दिलाने के नाम पर उससे 39 लाख रुपए बैंक खाते में जमा करा लिए गए और इन 39 लाख रुपए सहित कुल 75 लाख रुपए की उसके साथ धोखाधड़ी की गई जबकि उसके नाम डीलरशिप नहीं की गई। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने उसी समय अभियुक्त आशीष मंडल सीनियर एसोशिएट हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड निवासी कोलकाता और इसके साथी सुजीत शुक्ला व राहुल शर्मा सहित शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा सिलीगुड़ी, शाखा प्रबंधक एडीबी पंडौला के अलावा कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। दर्ज मुकदमे की विवेचना क्राइम ब्रांच जालौन की टीम कर रही थी। विवेचना के दौरान शिव कुमार का नाम भी धोखाधड़ी के इस मामले में बतौर अभियुक्त शामिल होना पाया गया था। पहले से ही दर्ज धोखाधड़ी के इस मुकदमे में शिव कुमार का नाम शामिल कर पुलिस ने कोर्ट से इसके विरुद्ध वारंट हासिल किया था और तभी से पुलिस इसकी तलाश में थी।

20 क्वार्टर सहित एक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।अवैध रूप से बेचने के लिए ले जा रहे 20 क्वार्टर सहित एक व्यक्ति को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। चौकी प्रभारी मनीष कुमार तिवारी को सूचना मिली कि लौना मार्ग पर गाय माता मंदिर के पास एक व्यक्ति नशीला पदार्थ बेचने के लिए ले जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोहल्ला रापटगंज निवासी संदिग्ध शिवकुमार को रोककर जब उसके थैले की तलाशी ली तो उसमें से 20 क्वार्टर देशी शराब के बरामद किए। पूछतांछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह अवैध रूप से शराब बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जव कही समस्या हो तत्काल पुलिस हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करे-एसएचओ

ग्राम जुझारपुरा और पचीपुरी में बहू बेटी सम्मेलन कर पुलिस ने किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली पुलिस ने ग्राम जुझारपुरा और पचीपुरी में बहू बेटी सम्मेलनों का आयोजन कर महिलाओं और किशोरियों को सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया कि किस तरह वे पुलिस सहायता प्राप्त कर सकतीं हैं।प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह ने कहा, किसी भी विपरीत परिस्थिति में महिलाएं, युवतियां और किशोरियां हेल्पलाइन नंबर पर मदद जरूर लें।पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्गत निर्देशों एवं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत निर्धारित एसओपी के अनुपालन में कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम जुझारपुरा व ग्राम पचीपुरी में बहू-बेटी सम्मेलनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्यों को लेकर मिशन शक्ति प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार ने जानकारी दी तथा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए उन्हें अवगत कराया। बहुओं एवं किशोरियों

को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह निषेध, महिला हेल्पलाइन सेवाओं महिला हेल्पलाइन-1090, आपातकालीन सेवा-112, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 एवं साइबर हेल्पलाइन-1930 के संबंध में जागरूक किया गया तथा आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर ठगी, सोशल मीडिया अपराध एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी गई। महिलाओं एवं किशोरियों से संवाद स्थापित करते हुए पुलिस ने उनकी समस्याओं एवं सुझावों को ध्यान से सुना तथा महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उनसे यह भी अपेक्षा जताई गई कि अपने आसपास होने वाली किसी भी अवैध गतिविधि अथवा महिला उत्पीड़न संबंधी घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कार्यक्रम में करीब सवा सौ महिलाएं एवं किशोरियां सम्मिलित रहीं। इस दौरान आशा वर्करों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं स्वयं सहायता समूह (बीएलओ/समूह) से जुड़ी महिलाओं को महिला पुलिस कर्मियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोंच ब्रजेश बहादुर सिंह, प्रभारी मिशन शक्ति वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार सहित महिला आरक्षी पूजा फौजदार व कुमकुम यादव आदि मौजूद रहे।

संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जुलाई माह बनेगा जनजागरूकता का महाअभियान - जिलाधिकारी

1 से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं 11जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान, 28 जून को सघन पल्स पोलियो अभियान, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर करेंगे स्वास्थ्य जागरूकता एवं रोगों की पहचान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 जुलाई से 31 जुलाई), दस्तक अभियान (11 जुलाई से 31 जुलाई) तथा 28 जून को आयोजित होने वाले सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के सफल संचालन हेतु जनपद स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों की भूमिका, कार्ययोजना तथा जनजागरूकता गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात का मौसम संचारी एवं वेक्टर जनित रोगों की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील होता है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, जलभराव निस्तारण, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव तथा व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां समयबद्ध रूप से संचालित की जाएं। दस्तक अभियान के दौरान आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर भ्रमण कर बुखार, डायरिया, टीबी, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, दिमागी बुखार तथा अन्य संचारी रोगों के संभावित मरीजों की पहचान करेंगी। परिवारों को मच्छरों से बचाव, मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान एवं उनके निस्तारण, समय पर उपचार, स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक परिवार के सदस्यों की आभा आईडी (आभा आईडी) भी बनाई जाएगी तथा लक्षणयुक्त व्यक्तियों का विवरण ई-कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आशा घर-घर जाकर परिवारों को दिमागी बुखार, फाइलेरिया, स्क्रब टायफस, लेप्टोस्पायरोसिस तथा चूहों एवं अन्य कृन्तकों से फैलने वाले रोगों के लक्षण एवं बचाव के उपायों की जानकारी देंगी। प्रत्येक बुखार पीड़ित व्यक्ति को तत्काल सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में उपचार कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं पोषण सेवाओं से जोड़ने, पांच वर्ष तक के बच्चों में डायरिया की रोकथाम तथा ओआरएस एवं जिंक के उपयोग के प्रति परिवारों को जागरूक करने का कार्य करेंगी।जिलाधिकारी ने नगर निकायों एवं पंचायती राज विभाग को निर्देशित किया कि नालियों की नियमित सफाई, जलभराव वाले स्थलों का तत्काल निस्तारण, झाड़ियों की कटाई तथा मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा अभिभावकों को भी अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। स्टॉप डायरिया अभियान-2026 की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जुलाई माह में डायरिया रोग की संभावना को देखते हुए ओआरएस एवं जिंक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों को ओआरएस एवं जिंक वितरण केंद्र के रूप में विकसित किया जाए तथा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष निगरानी रखी जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को खुले एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सघन पल्स पोलियो अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि 28 जून को आयोजित अभियान में कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, आंगनबाड़ी एवं अन्य संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें तथा बूथों एवं घर-घर भ्रमण के माध्यम से शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि यह सामूहिक उत्तरदायित्व है। यदि सभी विभाग अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करें और जनसहभागिता सुनिश्चित हो, तो जनपद को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूकर पालकों को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करना। सूकर पालन स्थल पर वेक्टर नियंत्रण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करना। यथासंभव पशु बाड़े मानव आबादी से दूर स्थापित करवाना। सभी प्रकार के पशु बाड़ों की स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा मच्छररोधी जाली के प्रयोग हेतु पशु पालकों का संवेदीकरण आदि के लिए छ:रोग अधिकारी को नोडल अधिकारी डॉ0 रामेन्द्र पचौरी को नामित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद, एसीएमओ डॉ. ए.पी. वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एआरटीओ सख्त लेडी सोम्या पांडे ने स्कूल संचालकों को दी कड़ी चेतावनी

फिटनेस व बीमा समेत सभी दस्तावेज कराएं अपडेट

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन । जिले में निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके स्कूली वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग विशेष अभियान चलाएगा। ऐसे वाहनों के परमिट निरस्त किए जाएंगे। यदि कोई वाहन सड़क पर संचालित मिलता है तो उसे सीज कर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सौम्या पांडे ने मंगलवार को बताया कि जिले के सभी विद्यालय संचालक, प्रबंधक और प्रधानाचार्य अपने स्कूल वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र समेत अन्य आवश्यक दस्तावेजों का समय से नवीनीकरण करा लें। जिन वाहनों के दस्तावेजों की वैधता समाप्त हो चुकी है, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार मॉडल कंडीशन यानी निर्धारित आयु सीमा पूरी कर चुके स्कूली वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे वाहन तकनीकी रूप से असुरक्षित होने के साथ पर्यावरण के लिए भी नुकसानदायक हैं। इसलिए सभी शिक्षण संस्थान अपने यहां संचालित वाहनों की जांच कर पुराने वाहनों का संचालन तत्काल बंद कर दें।

एआरटीओ ने बताया कि परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारी जल्द ही विशेष जांच अभियान चलाएंगे। अभियान के दौरान यदि कोई प्रतिबंधित या पुराने मॉडल का स्कूली वाहन संचालित मिलता है तो उसे तत्काल सीज कर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन की होगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक 24 को

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने बताया कि जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 24 जून 2026 को अपरान्ह 1:00 बजे रानी लक्ष्मीबाई सभागार (विकास भवन), उरई में आहूत की जानी है।

अत: उद्यमी सघों के पदाधिकारियों तथा जनपद के उद्यमी बन्धुओं, (जिनकी उद्योग से सम्बन्धित कोई समस्या हो) उनसे अनुरोध है कि कृपया समस्या तथा सुझाव सहित एवं सम्बन्धित सभी अधिकारीगण विगत बैंठक के निर्णयों के अनुपालन में की गई कार्यवाही प्रगति सहित बैठक में भाग लेने का कष्ट करें ।

कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों और होटलों का होगा व्यापक सेफ्टी ऑडिट, जिलाधिकारी ने गठित की 5 संयुक्त जांच टीमें

बिना अनुमति संचालित संस्थानों पर होगी कड़ी कार्रवाई, अग्नि सुरक्षा, भवन मानक और आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं की होगी गहन जांच

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने सभी कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों एवं होटलों में सुरक्षा मानकों और वैधानिक व्यवस्थाओं की व्यापक जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए तहसीलवार पांच संयुक्त जांच टीमों का गठन किया गया है, जिनमें विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को शामिल किया गया है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जनपद में संचालित प्रत्येक कोचिंग संस्थान, अस्पताल एवं होटल का सुरक्षा ऑडिट किया जाए तथा भवन सुरक्षा, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, वैधानिक स्वीकृतियों एवं संचालन संबंधी मानकों की गहन जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, मरीजों एवं आमजन की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच के दौरान यदि कोई कोचिंग संस्थान या अन्य प्रतिष्ठान निर्धारित अनुमति, मानकों अथवा सुरक्षा व्यवस्थाओं के बिना संचालित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार तत्काल प्रभाव से कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों की समीक्षा केवल औपचारिकता न रहकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। जहां भी कमियां पाई जाएं, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गठित टीमों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाकर विस्तृत सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा चिन्हित कमियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। अभियान की प्रभावी निगरानी हेतु अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) तथा अपर पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

उद्योग बन्धु समिति की बैठक आज

(यंग भारत न्यूज)

उरई । उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने बताया कि जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 24.06.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे रानी लक्ष्मीबाई सभागार (विकास भवन), उरई में आहूत की जानी है।

अत: उद्यमी सघों के पदाधिकारियों तथा जनपद के उद्यमी बन्धुओं, (जिनकी उद्योग से सम्बन्धित कोई समस्या हो) उनसे अनुरोध है कि कृपया समस्या तथा सुझाव सहित एवं सम्बन्धित सभी अधिकारीगण विगत बैंठक के निर्णयों के अनुपालन में की गई कार्यवाही प्रगति सहित बैठक में भाग लेने का कष्ट करें ।

कालपी विधानसभा 220 से सपा टिकट के लिए प्रदीप दीक्षित ने ठोकी मजबूत दावेदारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव प्रदीप दीक्षित ने कालपी विधानसभा क्षेत्र संख्या 220 से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए होर्डिंग्स तथा जनसंपर्क गतिविधियों के जरिए उन्होंने चुनावी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। उनके समर्थकों का कहना है कि प्रदीप दीक्षित लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

कालपी विधानसभा सीट वर्ष 2022 के चुनाव में समाजवादी पार्टी के खाते में गई थी और इस सीट पर सपा ने पहली बार ब्राह्मण समाज से प्रत्याशी उतारा था, जिसे जनता का समर्थन मिला और पार्टी को जीत हासिल हुई। बताते चलें कि वर्ष 1992 से सपा ने अन्य समाज के प्रत्याशियों को कालपी विधानसभा से मैदान में उतारा मगर पहली बार वर्ष 2022 में ब्राह्मण प्रत्याशी को उतार कर विजयश्री हासिल की। अगर इस बार 2027 के चुनाव में सपा ब्राह्मण प्रत्याशी को मैदान में उतारती है तो जीत सुनिश्चित मानी जा सकती है। सूत्रों की अगर मानें तो सपा नेतृत्व कालपी विधानसभा से ब्राह्मण चहरे की मैदान में उतार सकती है जिसमें चार बार प्रदेश सचिव के पद आसीन रहने वाले प्रदीप दीक्षित को मैदान में उतार सकती है। इसी के मद्देनजर सपा प्रदेश सचिव प्रदीप दीक्षित ने भी कालपी विधानसभा क्षेत्र में तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। इससे यह संदेश गया कि कालपी में सामाजिक समीकरणों के साथ-साथ संगठनात्मक मजबूती भी चुनावी जीत का महत्वपूर्ण आधार है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वर्ष 2027 के चुनाव को देखते हुए सपा में टिकट की दौड़ तेज हो चुकी है और प्रदीप दीक्षित की सक्रियता उन्हें प्रमुख दावेदारों की कतार में खड़ा करती है। हालांकि, प्रत्याशी चयन का अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा ही किया जाएगा। वर्तमान में कालपी विधानसभा सीट समाजवादी पार्टी के कब्जे में है, जिससे इस सीट पर पार्टी के भीतर दावेदारी और भी दिलचस्प मानी जा रही है।

जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया संयुक्त निरीक्षण

बैरकों से लेकर अस्पताल, पुस्तकालय और रसोईघर तक व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा, बंदियों के अधिकारों, सुरक्षा एवं सुविधाओं पर विशेष जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील, पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला जज विरजेंद्र कुमार सिंह, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक खरे तथा सिविल जज (सी.डी.) प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिभा व जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की विभिन्न बैरकों, अस्पताल, पुस्तकालय, रसोईघर, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से सीधे संवाद किया, आवश्यकताओं एवं कारागार में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कारागार अस्पताल में उपचाराधीन बंदियों की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने चिकित्सकीय सुविधाओं, दवा उपलब्धता एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था का अवलोकन करते हुए बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुस्तकालय का निरीक्षण कर बंदियों के बौद्धिक एवं नैतिक विकास हेतु उपलब्ध पुस्तकों एवं अध्ययन सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई ।रसोईघर में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता मानकों तथा खाद्य सामग्री के रख-रखाव की भी जांच की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। जिला जज ने कहा कि कारागार केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार एवं पुनर्वास का केंद्र भी है। बंदियों के संवैधानिक एवं मानवाधिकारों की रक्षा के साथ-साथ उन्हें सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कारागार में विधिक सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जाए, ताकि बंदी समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित हो सकें। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि कारागार में सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यवस्थाओं का नियमित अनुश्रवण किया जाए तथा बंदियों से संबंधित प्रत्येक व्यवस्था को शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित किया जाए। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की संभावना को समाप्त करने के लिए सतर्कता एवं निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ रखा जाए।

उपेन्द्र सिंह जाटव बने भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संभाली जिम्मेदारी, बोले- संगठन को गांव-गांव तक करेंगे मजबूत

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। भीम आर्मी के शीर्ष नेतृत्व ने उपेन्द्र सिंह जाटव (खकसीस) को जालौन का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। मनोनयन के बाद सोमवार को कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वह कार्यकर्ताओं के साथ उरई स्थित अंबेडकर चौराहा पहुंचे, जहां बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । इसके बाद में आजाद समाज पार्टी के जिला कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की गई।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह जाटव ने कहा कि भीम आर्मी के राष्ट्रीय विनय रत्न और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता संगठन को बूथ और गांव स्तर तक मजबूत करना तथा पुराने और नए सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना होगी। उपेन्द्र सिंह जाटव ने बताया कि उन्होंने फरवरी 2020 में विधानसभा सचिव के रूप में संगठन में काम शुरू किया था। इसके बाद वह विधानसभा महासचिव, जिला महासचिव, जिला सोशल मीडिया सचिव और मंडल कार्यकारिणी सदस्य जैसे विभिन्न दायित्व निभाते रहे। संगठन में सक्रिय भूमिका और जमीनी कार्य को देखते हुए उन्हें अब जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रेसवार्ता में आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज गौतम ने कहा कि प्रदेश में पार्टी की सत्ता परिवर्तन यात्रा चल रही है और जालौन के कार्यकर्ता इसे सफल बनाने में जुटे हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनावों में आजाद समाज पार्टी जिले में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी। इस अवसर पर मंडल सहसंयोजक रविकांत सिंह जाटव गेंदौली , अखंड प्रताप सिंह, शिवराज दोहरे, अजय गौतम, बुद्ध सिंह सामी, जयहिंद सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अभिषेक रावण, दीपेश बाबा खैरी, आकाश गौतम, पवन कुमार, जोगेश्वर दयाल, अमित, वृजेंद्र, प्रदीप, अरविंद पहारिया, जितेंद्र कुशवाहा, ध्रुव कुमार, अजय, अभिषेक जाटव, नीरज चौधरी, बादाम सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी ने वर्चुअल जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने मंगलवार को गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअल जनसुनवाई आयोजित की। इस दौरान उन्होंने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ ऑनलाइन जुड़कर थानों एवं पुलिस कार्यालयों में आए फरियादियों की शिकायतों और समस्याओं की समीक्षा की ।जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न मामलों में प्राप्त शिकायतों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास किया जाए ।एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा पीड़ितों को अनावश्यक रूप से थानों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण करने पर भी जोर दिया ।वर्चुअल जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ने जनपद में कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों की भी जानकारी प्राप्त की और पुलिस अधिकारियों को जनता के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर दिखना चाहिए सुधार का प्रभाव - जिलाधिकारी

-जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की समीक्षा बैठक में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, -अस्पताल सेवाओं एवं वित्तीय प्रगति की हुई गहन समीक्षा, कम प्रदर्शन वाले ब्लॉकों के लिए विशेष कार्ययोजना के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सेवाओं की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की, बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण, अस्पताल सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की वित्तीय प्रगति तथा स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य आधारित कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने, ओपीडी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा मरीजों को अनावश्यक रूप से उच्च केंद्रों पर रेफर करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेफरल की प्रत्येक स्थिति का स्पष्ट कारण अभिलेखों में अंकित किया जाए, अन्यथा संबंधित चिकित्सक की जवाबदेही तय की जाएगी। मातृ स्वास्थ्य संकेतकों की समीक्षा के दौरान प्रथम तिमाही में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, एएनसी जांच एवं संस्थागत प्रसव की प्रगति का परीक्षण किया गया। कम प्रदर्शन वाले ब्लॉकों एवं स्वास्थ्य इकाइयों को चिन्हित कर विशेष निगरानी रखने तथा माइक्रो प्लानिंग के माध्यम से प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए जहां बच्चों का टीकाकरण अधूरा है अथवा छूटे हुए लाभार्थियों की संख्या अधिक है। उन्होंने निर्देशित किया कि एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा ई-कवच पोर्टल पर सभी प्रविष्टियां समयबद्ध रूप से अद्यतन की जाएं। जिलाधिकारी ने नवजात एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कम वजन वाले बच्चों की नियमित निगरानी, स्तनपान प्रोत्साहन तथा गृह आधारित नवजात देखभाल सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सभी इकाइयां समन्वित प्रयासों के माध्यम से शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और बच्चों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए कार्य करें। परिवार कल्याण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने, लाभार्थियों की प्रभावी काउंसलिंग करने तथा जनजागरूकता गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम जनस्वास्थ्य सुधार का महत्वपूर्ण माध्यम है और इसकी उपलब्धियों में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जानी चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्राप्त बजट एवं व्यय की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उपलब्ध संसाधनों का नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लंबित भुगतान, पोर्टल अपडेट तथा वित्तीय प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आने पाए। जिलाधिकारी ने सभी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं चिकित्साधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य संस्थानों का अनिवार्य निरीक्षण करने, साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, ओपीडी व्यवस्था एवं मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा करने तथा निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आंकलन केवल नियमित फील्ड निरीक्षण से ही संभव है और इसी आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरिनन्दन प्रसाद, एसीएमओ बीरेंद्र सिंह सहित चिकित्सक व सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अब तक नहीं हो सका बुजुर्ग की हत्या का खुलासा, ग्रामीणों में आक्रोश

(यंग भारत न्यूज)

उरई । जनपद के गोहन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पृथ्वीपुर में 75 वर्षीय बुजुर्ग गिरजा शंकर तिवारी की हत्या का मामला 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अनसुलझा बना हुआ है। पुलिस अभी तक न तो आरोपियों तक पहुंच सकी है और न ही हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा कर पाई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जानकारी के अनुसार, गिरजा शंकर तिवारी का शव गांव के बाहर स्थित एक ट्यूबवेल पर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला था। घटना की सूचना मिलते ही गोहन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ईशान सोनी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया था तथा परिजनों एवं ग्रामीणों को शीघ्र खुलासे का आश्वासन दिया था। हालांकि घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। न तो किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट हो पाई है। इससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। उनका कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, मृतक के परिजन आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल बना हुआ है।

बालू घाट से मजदूरी का भुगतान लेकर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । उरई कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम बड़ागांव के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक झांसी जनपद के एरच कस्बे का निवासी था और मजदूरी का भुगतान लेकर अपने घर लौट रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एरच निवासी राजू निषाद (22) पुत्र कल्याण निषाद जालौन जनपद के डकोर थाना क्षेत्र स्थित बंधौली बालू घाट पर लिफ्टर चालक के रूप में कार्यरत था। सोमवार देर शाम वह मजदूरी का भुगतान लेकर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान उरई कोतवाली क्षेत्र के गड़ा-बड़ागांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर उसकी बाइक अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि राजू निषाद की मौके पर ही मृत्यु हो गई। राहगीरों द्वारा सूचना दिए जाने पर उरई कोतवाली पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी एकत्र किए। मृतक के पिता कल्याण निषाद ने बताया कि उनका बेटा मेहनत-मजदूरी कर परिवार का सहारा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर हादसे की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कुठोन्द के नर्सिंग होम में कुछ दिन पूर्व जान से गई महिला के मायके वालों ने पति के ऊपर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

-एफआईआर दर्ज करने की उठाई पुरजोर मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई । कुठौंद थाना क्षेत्र के ईटा सलेमपुर गांव में प्रसव के दौरान 22 वर्षीय विवाहिता की मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद मायके पक्ष ने मृतका के पति पर प्रताड़ित करने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ईटा सलेमपुर निवासी रंजना देवी (22) की सोमवार को प्रसव के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें गंभीर अवस्था में उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज उरई ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतका के भाई हरिप्रकाश निवासी हुसेपुरा सुरही ने आरोप लगाया कि करीब 13 माह पूर्व रंजना की शादी आशुतोष गौतम से हुई थी। शादी के बाद से ही पति द्वारा मारपीट और मानसिक प्रताड़ना दी जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी प्रताड़ना के कारण उनकी बहन लगातार परेशान रहती थी। मायके पक्ष ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना पर कुठौंद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। साथ ही मायके पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों की भी गंभीरता से जांच की जा रही है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि रेंढ़र थाने में तहरीर देने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उनका कहना है कि पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय केवल घटना की जानकारी ली और शिकायत पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप कर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने और निष्पक्ष विवेचना कराने की मांग की। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला : परिजनों ने पति समेत चार ससुरालीजनों पर हत्या के आरोप में कई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। रेंढ़र थाना क्षेत्र के जुगराजपुरा गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर नया मोड़ आ गया है। मृतका के मायके पक्ष ने पति, जेठ, जेठानी सहित चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच और मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की है।

हमीरपुर जनपद के राठ थाना क्षेत्र स्थित अमगांव निवासी सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि उनकी चचेरी बहन चंद्रवती का विवाह करीब 10 वर्ष पूर्व जुगराजपुरा निवासी लालसिंह के साथ हुआ था। चंद्रवती अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के शुरुआती दो वर्षों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन संतान न होने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे बांझ कहकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पति लालसिंह, जेठ नरेश, जेठानी कमलेशी और अन्य परिजन चंद्रवती पर मायके की लगभग 20 बीघा कृषि भूमि अपने नाम कराने का दबाव बनाते थे। जमीन हस्तांतरित न करने पर उसे जान से मारने की धमकियां भी दी जाती थीं। परिजनों के अनुसार चंद्रवती ने मार्च 2026 में मायके आकर अपनी हत्या की साजिश रचे जाने की आशंका जताई थी तथा पति की दूसरी शादी कराने की योजना की भी जानकारी दी थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्र सूची से नाम हटाने का आरोप, जिलाधिकारी से जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम दादूपुर, ग्राम पंचायत कुआंखेड़ा की निवासी वंदना पत्नी राजकुमार ने जिलाधिकारी जालौन को प्रार्थना पत्र देकर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जारी पात्र लाभार्थियों की सूची में अनियमितता का आरोप लगाया है।

प्रार्थना पत्र में वंदना ने बताया कि उनके पति दिव्यांग हैं तथा वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्व में जारी निर्बल वर्ग की पात्र सूची में क्रमांक 04 पर अंकित थीं। आरोप है कि ग्राम प्रधान एवं सचिव द्वारा पुरानी सूची को निरस्त कर नई सूची जारी की गई, जिसमें पात्र लाभार्थियों के नाम हटाकर अपात्र लोगों के नाम शामिल कर दिए गए हैं। पीड़िता ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांगकी है। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि जांच कराई जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। जिलाधिकारी से इस प्रकरण में सक्षम अधिकारी द्वारा जांच कराकर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। इस मौके पर प्रमुख रूप से राजकुमार, शिवराम, तिलक सिंह, विनोद कुमार, काशीप्रसाद, आशाराम, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

पुलिस और प्रशासन ने रुकवाई नाबालिग दूल्हे की शादी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन): उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बाल विवाह के खिलाफ पुलिस और बाल संरक्षण विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी बंगरा इलाके में प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक नाबालिग दूल्हे की शादी को ऐन वक्त पर रुकवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के एक गांव में कुछ दिनों पूर्व एक नाबालिग लड़के की शादी तय की गई थी। शादी की रस्में पूरी होने के बाद 23 जून को बारात रवाना होने वाली थी। घर में शादी की खुशियों का माहौल था और बारात जाने की तैयारियां अंतिम दौर में थीं। इसी बीच बाल कल्याण समिति और स्थानीय प्रशासन को गोपनीय सूचना मिली कि जिस दूल्हे की बारात जाने वाली है, वह असल में नाबालिग है। बाल विवाह की सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। बंगरा चौकी प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बिना वक्त गंवाए पुलिस बल के साथ मौके पर धावा बोल दिया। पुलिस के साथ बाल कल्याण समिति और चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम भी दूल्हे के घर पहुंची। टीम ने वहां पहुंचकर दूल्हे की उम्र से जुड़े दस्तावेजों की जांच की, जिसमें उसके नाबालिग होने की पुष्टि हुई। इसके बाद टीम ने वैधानिक कार्रवाई करते हुए शादी के रस्मों-रिवाजों को बीच में ही रुकवा दिया। इस संयुक्त कार्रवाई में चाइल्डलाइन और सीडब्ल्यूसी टीम के अध्यक्ष सतीश कुमार, सदस्य गरिमा पाठक, टीम सदस्य आदर्श खरे और मिलन पांचाल शामिल रहे। वहीं, मानव तस्करी विरोधी इकाई से सब-इंस्पेक्टर (एसआई) मोहम्मद शकील, सबनेश कुमार और परेश चंद सोलंकी ने भी मुख्य भूमिका निभाई। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने नाबालिग के माता-पिता और उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह कानून के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि कानूनन नाबालिग की शादी कराना एक गंभीर अपराध है, जिसके लिए जेल और जुर्माने दोनों का प्रावधान है। अधिकारियों की समझाइश और सख्त रुख के बाद परिवार ने अपनी गलती मानी और लड़के के बालिग होने के बाद ही शादी करने का लिखित आश्वासन दिया। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे।

ज्येष्ठ मास के आठवे मंगलवार को हनुमान मंदिरों में उमडा श्रद्धा का सैलाव,सुन्दरकांड पाठ व भण्डारे का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कालपी(जालौन) भगवान वेद व्यास की जन्मस्थली एवं धार्मिक नगरी कालपी में पुरुषोत्तम मास के (ज्येष्ठ मास) चलते आज अष्टम मंगलवार को भी नगर के हनुमान मंदिरों मे सुन्दरकांड पाठ के साथ भंडारों का आयोजन बड़ी ही श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ।

मंगलवार को आयोजन की श्रंखला में वहीं रामगंज स्थित प्राचीन जगदीश्वर हनुमान जी के मंदिर मे ज्येष्ठ मास के अष्टम मंगलवार को भी मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें मंदिर कमेटी के सदस्यों जिसमे प्रमुख रूप से विवेक दीक्षित प्रतिनिधि सभासद गणेश गंज वार्ड, दिलीप सिंह सेंगर, मानवेंद्र सिंह चौहान, माधौसिंह यादव, भगवान दास तिवारी, रामदास तिवारी, देवेन्द्र गुप्ता, अतुल बडेरिया, डा. प्रदीप गुप्ता, हृदेश श्रीवास्तव, आशू जादौन, बबलू सिंह चौहान, सबोध द्विवेदी भाजपा नगर अध्यक्ष, विजय सिंह राठौर, बबलू प्रजापत,उपस्थिति-आर0एन0शुक्ला, हरिश्चन्द्र दीक्षित (बापू), आशुतोष मिश्रा, लक्ष्मीकांत अमीन, ओमप्रकाश शर्मा, राजू पाठक, अशोक गोस्वामी आदि गणमान्य मौजूद रहे ।वही रेलवे स्टेशन चौराहे स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में बाहर से आयी टीम द्वारा सुन्दर कांड पाठ का आयोजन व विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें प्रमुख रुप से योगेन्द्र नारायन शुक्ल बैद्य,ज्ञानेन्द्र मिश्रा,शरद शुक्ला, भारत सिंह यादव, पुजारी कल्लू बाबा सहित अनेक सहयोगी मौजूद रहे ।छंगे आश्रम हनुमान मन्दिर में महन्त मनीष महाराज द्वारा सुन्दर कांड का आयोजन हुआ तथा भण्डारे का आयोजन हुआ ।राधे गार्डन में गेट के बाहर कन्हैया गुप्ता द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन के साथ नगर के निम्न स्थानों व मन्दिरों मे भजन कीर्तन व भण्डारे के आयोजन किये गये।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद में महिला की प्रसव के दौरान बिगड़ी हालत उरई अस्पताल के लिए किया गया रेफररास्ते में हुई महिला की मौत

प्रसव के लिए आई गरीब महिलाओं की मौत का सिलसिला लगातार जारी है आखिर जिम्मेदार कौन है

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। जनपद जालौन के कस्बा कुठौंद के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रसव के लिए दिनांक 22 जून 2026 को लगभग 1 बजे आई महिला रंजना देवी पत्नी गोलू दोहरे उम्र लगभग 25 बर्ष निवासी इटहा- कालपी आई स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टरों तथा नर्सों के द्वारा की गई लापरवाही की जानकारी मिली सूत्रों के हवाले से मालूम हुआ की ग्राम ऊमरी निवासिनी केशम वती आशा बहू के पद पर ग्राम पंचायत ऊमरी -मसगांव में तैनात है। प्रसव के लिए आई महिला के पारिवार के लोग इस आशा बहू को अपने साथ अस्पताल लेकर आए थे ।यह आशा बहू इटहा के लोगों की रिश्तेदारी में पड़ती है ।जिसके द्वारा अस्पताल में तैनात डाक्टर एवं नर्सों की बजाय स्वयं प्रसव के लिए आतुर हो गई। और आशा बहू के द्वारा प्रसव स्वयं किया गया। प्रसव के दौरान महिला के साथ अपने अयोग्यता का परिचय देते हुए प्रसव कराने आई महिला के पेट को इतनी जबरदस्त तरीके से दबाया गया ।जिससे महिला ने बच्चा को तो जन्म दे दिया लेकिन बच्चे को जन्म देने वाली मां जीवन व मौत से जूझने लगी। अधिक मात्रा में ब्लड निकलने से उसकी हालत इतनी तेज बिगड़ गई और अधिक मात्रा में ब्लड निकलने लगा। ब्लड इतनी तेजी से निकल रहा था जिससे महिला की हालत को देखकर अस्पताल में तैनात डॉक्टरों को ब्लड कंट्रोल करना मुश्किल पड़ गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टर ने आनन फानन में महिला को तत्काल प्रभाव से दोपहर लगभग 1:30 बजे उरई अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। उरई अस्पताल पहुंचते ही लगभग दोपहर 3:00 बजे महिला की मौत हो गई। महिला के जन्मा बच्चा सुरक्षित बताया जा रहा है। उरई अस्पताल में परिवारी जनों को महिला की मृत्यु का समाचार मिलने पर ऐसा लगा जैसी आकाश से बिजली गिरी हो परिवारी जनों में मायूसी छा गई। इसके बाद मृतक महिला को पोस्टमार्टम के लिए विच्छेदन गृह भेजा गया ।पोस्टमार्टम होने के पश्चात आगे की कार्यवाही को संज्ञान में लिया जाएगा।

मैसूर में ट्रिपल सुसाइड: शादी से दो दिन पहले ऐसा क्या हुआ? दुल्हन और माता-पिता ने जहर खाकर दे दी जान

(यंग भारत न्यूज)

कर्नाटक के मैसूर जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. जहां एक घर में शादी की शहनाइयां गूंजने वाली थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है. मैसूर जिले के टी.

नरसिपुरा तालुक के केम्पय्यानहुंडी गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों ने गांव के ही एक युवक के उत्पीड़न से तंग आकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली. मृतकों में होने वाली दुल्हन और उसके माता-पिता शामिल हैं. इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद से पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, केम्पय्यानहुंडी गांव के रहने वाले शिवन्ना, उनकी पत्नी नागरत्न और बेटी रक्षिता की इस दुखद घटना में मौत हो गई है. अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक होता, तो 24 जून को रक्षिता की शादी होने वाली थी. घर में शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और रिश्तेदार भी जुटने लगे थे. लेकिन शादी से ठीक पहले आए इस तूफान ने पूरे हंसते-खेलते परिवार को ही खत्म कर दिया. परिजनों और पुलिस के मुताबिक, रक्षिता को उसी के गांव का रहने वाला उल्लास गौड़ा नाम का युवक लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था. आरोप है कि उल्लास गौड़ा ने रक्षिता द्वारा भेजे गए कुछ संदेश और तस्वीरें अपने पास रख ली थीं और उन्हीं के दम पर वह उसे ब्लैकमेल कर रहा था. क्रूरता की हद पार करते हुए आरोपी उल्लास गौड़ा ने वे तस्वीरें उस लड़के को भी भेज दीं, जिससे रक्षिता की सगाई हुई थी. इतना ही नहीं, उसने रक्षिता को धमकी दी थी कि वह किसी भी कीमत पर यह शादी नहीं होने देगा. समाज में बदनामी और अपनी प्रतिष्ठा पर आंच आने के डर से डरे-सहमे परिवार ने अंततः घर पर ही जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. घटनास्थल पर पहुंची वरुणा थाना पुलिस को रक्षिता का लिखा एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने साफ तौर पर अपनी और अपने माता-पिता की मौत के लिए उल्लास गौड़ा को जिम्मेदार ठहराया है. रक्षिता की रोती-बिलखती दादी चिन्नम्मा ने बताया कि- रक्षिता की शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं, लेकिन उल्लास गौड़ा ने शादी रोकने की धमकी दी थी. वह मेरे बेटे का परिचित था, जो पहले ट्रैक्टर चलाता था और अक्सर उनके साथ रहता था. उसका हमारे घर आना-जाना था. मेरे बेटा, बहू और पोती की मौत के जिम्मेदार उल्लास गौड़ा को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए. घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा. आरोपी उल्लास गौड़ा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण अड़ गए और उन्होंने पुलिस को शव ले जाने से रोक दिया. इस दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई और लोगों ने शवों को ले जा रही एम्बुलेंस को चारों तरफ से घेर लिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी सी. टी. कुमार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे. फिलहाल, वरुणा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है.

थाने के 7 चौकीदारों ने कानपुर डीएम से लगाई गुहार, बचा लीजिए...साढ़ थाना प्रभारी घर बुलाकर तेल-मालिश करवाते

(यंग भारत न्यूज)

घाटमपुर(कानपुर)। कानुपर में अजब गजब मामला सामने आया है। साढ़ थाना प्रभारी पर तेल मालिश करवाने का आरोप लगा है। चौकीदारों ने डीएम और पुलिस आयुक्त के सामने शिकायत की। साढ़ थाना में तैनात चौकीदारों ने प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी से शिकायत की है। आरोप लगाया कि थाना प्रभारी अपने आवास पर बुलाकर शरीर में तेल मालिश कराने के साथ ही पैर दबाने को कहते हैं। न करने पर गाली-गलौज करके जेल भेजने की धमकी देते हैं। हालांकि, थाना प्रभारी ने आरोपों को नकारा है।

साढ़ थाना में तैनात चौकीदार जयकरन, कैलाश, रामकिशन, देवनारायण, मेवालाल, शिवलोचन और सुरेश मंगलवार को कानपुर में पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी कार्यालय शिकायत लेकर पहुंचे। यहां सौंपे शिकायती पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि साढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्रा उन्हें आवास में बुलाकर शरीर में मालिश करने, हाथ-पैर दबाने को कहते हैं। इसके साथ ही सभी को बारी-बारी से बर्तन, कपड़े, झाड़ू, पोंछा करने के लिए भी कहते हैं। अगर वे लोग मना करते हैं तो उनसे गाली-गलौज की जाती है। आरोप के मुताबिक थाना प्रभारी कहते हैं कि ज्यादा बाबूगिरी की तो झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेज देंगे। चौकीदारों का कहना है कि वे इस प्रताड़ना से भयभीत हैं। उन्हें डर है कि कहीं उनके परिवार या उनको जेल न भेज दिया जाए। साढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्रा ने आरोपों को नकारा है। उन्होंने कहा कि चौकीदारों का ड्यूटी लगाने को लेकर मुंशी से कुछ विवाद हुआ था। एसीपी कृष्णकांत यादव का कहना है कि आरोपों की जांच कराई जाएगी। तथ्य सही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर से उठ रही थी बदबू, 4 लाशों पर पड़ चुके थे कीड़े; दरवाजा खोलते ही पुलिसवालों की फटी रह गईं आंखें

(यंग भारत न्यूज)

तेलंगाना के नलगोंडा ज़िले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है, दरअसल, यहां तेलंगाना कॉलोनी में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या कर ली. बता दें कि जब घर से तेज़ बदबू आने लगी तो इस मामले की जानकारी मिली. बता दें कि पुलिस मौके पर पहुँची और दरवाज़ा तोड़कर अंदर गई. अंदर उन्हें चार लोगों की लाशें मिली. और इतना ही नहीं हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि उनके शव बुरी तरह सड़ चुके थे.

इस मामले को लेकर पुलिस ने जानकारी दी कि मृतकों में से दो की पहचान पति-पत्नी के तौर पर हुई है. वहीं पुरुष की पहचान सुल्तान के रूप में हुई है, जो नलगोंडा शहर के प्रकाशम बाज़ार इलाके में बैग की दुकान चलाकर अपने परिवार का गुज़ारा करता था. उसकी पत्नी हसीना एक प्राइवेट स्कूल में टीचर थी. घर में मिले दो शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वो दोनों सुल्तान और हसीना के बच्चे थे या रिश्तेदार. स्थानीय लोगों का कहना है, पिछले कुछ दिनों से घर का दरवाज़ा नहीं खुला था. जब पड़ोसियों ने घर से लगातार बदबू महसूस की, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुँची और दरवाज़ा तोड़कर अंदर गई. घर के अंदर चार शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. शवों की हालत को देखते हुए पुलिस की शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह घटना शायद तीन-चार दिन पहले हुई थी. लंबे समय तक घर बंद रहने के कारण शव बुरी तरह सड़ चुके थे. पुलिस और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल से ज़रूरी सबूत इकट्ठा किए हैं. इस सामूहिक आत्महत्या के पीछे की वजह अभी साफ़ नहीं है. पुलिस मामले की कई पहलुओं से जांच कर रही है. शुरुआती जांच में आर्थिक तंगी, पारिवारिक झगड़े या अन्य कारणों जैसी संभावनाओं पर गौर किया जा रहा है. पुलिस ने घर के अंदर मिली चीज़ों और अन्य सुरागों की जांच शुरू कर दी है. शवों के ज़्यादा सड़ जाने के कारण उनकी पहचान करना पुलिस के लिए एक चुनौती बन गया है. पुलिस का कहना है कि मौत की सही वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चलेगा. मामला दर्ज कर लिया गया है. इस घटना से इलाके में दुख और चिंता का माहौल है.

स्कूल बना अय्याशी का अड्डा! महिला टीचर के साथ रंगरेलियां मनाते शिक्षक का वीडियो वायरल, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

(यंग भारत न्यूज)

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में शिक्षा जगत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल एक स्कूल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। इस वीडियो में स्कूल में ही एक शिक्षक महिला टीचर के साथ रंगरेलियां मनाते दिख रहे। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के संबंध में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा को जांच के निर्देश दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के लिए प्राचार्यों की टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक ही झटके में बेटा-बहू, बेटी-दामाद समेत परिवार के 9 लोगों की मौत, अब अकेले रह गए माता-पिता मांग रहे इच्छा-मृत्यु

(यंग भारत न्यूज)

गुजरात के सूरत में रहने वाले 73 साल के एक व्यक्ति और उनकी 68 साल की पत्नी ने ज़िला कलेक्टर को पत्र लिखकर इच्छा-मृत्यु (यूथेनेशिया) की अनुमति मांगी है। उन्होंने सूरत नगर निगम के अधिकारियों और स्थानीय राजनीतिक नेताओं पर कई सालों से शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है।

अपनी अर्ज़ी में, श्यामभाई कपूरजी गहलोत और उनकी पत्नी मधुबेन ने कहा है कि उनकी दुकानों को बार-बार सील किए जाने के कारण वे आर्थिक रूप से बर्बाद और भावनात्मक रूप से टूट चुके हैं। 7 नवंबर, 2016 को उनके परिवार के 8 सदस्यों – जिनमें उनका इकलौता बेटा, बहू, पोते-पोतियां, बेटी, दामाद और एक अन्य रिश्तेदार शामिल थे – की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। बुज़ुर्ग जोड़े का कहना है कि तब से वे अकेले रह रहे हैं और एक-दूसरे पर निर्भर हैं। गहलोत परिवार ने बताया कि उन्होंने 2006 में 11 छोटी दुकानें खरीदी थीं और 2008 में इलाके के स्ब्ष्ट के अधिकार क्षेत्र में आने के बाद वे नियमित रूप से टैक्स भर रहे थे। उनकी शिकायत के अनुसार, 2021 में तत्कालीन स्ब्ष्ट कार्यकारी इंजीनियर ने बिना किसी पूर्व सूचना के दुकानें सील कर दी थीं। यह जोड़ा गुजरात हाई कोर्ट गया और लगभग 5 साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। जोड़े का दावा है कि फायर डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में यह कहे जाने के बाद कि छोटी दुकानों को बड़े प्रतिष्ठानों की तरह फायर सेफ्टी उपायों की ज़रूरत नहीं है, आखिरकार इस साल 31 जनवरी को दुकानें फिर से खोल दी गईं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि हाई कोर्ट में जीत के कुछ ही समय बाद, 30 मई को मौजूदा कार्यकारी इंजीनियर के कथित निर्देशों पर दुकानें फिर से सील कर दी गईं। जोड़े का दावा है कि इस कार्रवाई से पहले कोई लिखित सूचना या कारण नहीं बताया गया था। श्यामभाई गहलोत ने आरोप लगाया कि अधिकारी उन पर एक स्थानीय ब्क्ष्क नेता से मिलने का दबाव डाल रहे थे और उनकी संपत्तियों पर कब्ज़ा करने की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार जवाब मांगने के बावजूद, उन्हें सीलिंग के लिए कोई लिखित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। कलेक्टर से की गई अपनी अपील में उन्होंने कहा, 'अब हमारे मन में जीने की कोई इच्छा नहीं बची है। अगर न्याय नहीं मिल सकता, तो मौत ही एकमात्र विकल्प है।' जोड़े ने अधिकारियों से इच्छा-मृत्यु की अनुमति देने का अनुरोध किया है और कहा है कि वे इस कथित उत्पीड़न को और अधिक सहन करने में असमर्थ हैं।

दरवाजे पर खड़ी थी बरात, दूल्हे को गांव के लड़कों ने दिखाई दुल्हन की निजी वीडियो; लड़की ने उठाया खौफनाक कदम

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अंबेडकर नगर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जिसके बारे में बताया जा रहा है कि दुल्हन का एक निजी वीडियो दिखाए जाने के बाद दूल्हे ने शादी से इन्कार कर दिया.जैसे ही दूल्हे ने शादी से इन्कार किया. चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई. इसके बाद दूल्हा बिना शादी किए ही बारात लेकर लौट गया. इस घटना से परेशान होकर अपने ही दिन दुल्हन ने जहर खा लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया.

बताया जा रहा है कि आक्रामक व्यवहार के लिए चर्चित युवकों ने दूल्हे को दुल्हन का एक निजी वीडियो दिखाया था. गांव के बुजुर्गों के समझाने-बुझाने के बावजूद दूल्हे ने शादी करने से इन्कार कर दिया. शादी तोड़ने के बाद दूल्हा बारात लेकर चला गया. बारात लौटने के बाद दुल्हन इतनी टूट गई कि उसने जहर खाकर अपनी जान देने की कोशिश की. उसे तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया गया. मामला बढ़ने पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि यह पूरी घटना टांडा कोतवाली के पुंथर मौहरिया की है. गांव की रहने वाली लड़की की बारात मांझा काजीपुर गांव से आई थी. लेकिन द्वारपूजा समारोह के दौरान स्थानीय युवकों शुभ-लाभ और उनके साथियों ने दूल्हे को दुल्हन का एक अश्लील वीडियो दिखा दिया. जिसके बाद उसने शादी रद्द कर दी. हालात बिगड़ता देख किसी ने 'डायल 112' की टीम की सूचना दे दी. जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बारात चली गई. घटनाक्रम से परेशान होकर युवती ने अगले दिन जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान देने की कोशिश की. उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया. ठीक होने के बाद वह और उसका परिवार टांडा कोतवाली पुलिस स्टेशन पहुंचे. उन्होंने गांव के युवकों पर जबरदस्ती अश्लील वीडियो बनाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया. जिसको लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की.

चीख सुनकर मिलता था मजा. पहले पीछा करता फिर फेंकता केमिकल, तड़पती महिलाओं को देखकर खुश होता था आरोपी

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर के रावतपुर और कल्याणपुर इलाके में महिलाओं और युवतियों पर ज्वलनशील पदार्थ फेंककर दहशत फैलाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी साइकिल से निकलता था और रास्ते में अकेली दिखने वाली महिलाओं को अपना निशाना बनाता था।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने ऐसा खुलासा किया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। आरोपी ने बताया कि महिलाओं के चीखने और दर्द से तड़पने पर उसे अजीब तरह का आनंद मिलता था। मामला उस वक्त सामने आया जब रविवार को कल्याणपुर क्षेत्र के बरसायतपुर की रहने वाली एक महिला टीचर कोचिंग पढ़ाने जा रही थीं। सीएसजेएम यूनिवर्सिटी के पास साइकिल सवार मो. दिलशाद ने उनके ऊपर टाइल्स जोड़ने वाला ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया। केमिकल पड़ते ही महिला दर्द से चीखने लगीं। उनके हाथ में तेज जलन होने लगी। महिला ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान उनकी त्वचा भी प्रभावित हो गई। घटना के बाद आरोपी साइकिल से तेजी से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। फुटेज में एक साइकिल सवार युवक दिखाई दिया। युवक ने कुर्ता-पजामा पहना हुआ था और पीठ पर बैग टंगा था। जांच में पता चला कि शनिवार को भी इसी तरह की घटनाएं हुई थीं। शारदानगर इलाके में नेट परीक्षा की तैयारी कर रही एक छात्रा और एक नर्सिंग का काम करने वाली युवती को भी निशाना बनाया गया था। पुलिस की टीमों ने संदिग्ध युवक की तलाश शुरू की। रविवार देर शाम आरोपी मो. दिलशाद को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पत्थर कारीगर के साथ मजदूरी करता है। इसी काम में इस्तेमाल होने वाला पत्थर जोड़ने वाला केमिकल वह बोतल में भरकर साइकिल से निकलता था और महिलाओं पर फेंक देता था। उसने पुलिस

को बताया कि केमिकल फेंकने के बाद वह दूर खड़े होकर महिलाओं को देखता था। उनके परेशान होने और चीखने पर उसे मजा आता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी के मोबाइल की जांच में कई अश्लील वीडियो मिले हैं। आरोपी के व्यवहार और गतिविधियों को देखते हुए पुलिस उसके पुराने रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। साल 2022 में वह काकादेव क्षेत्र में एक किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में जेल जा चुका है। आरोप है कि उसने किशोरी को सुनसान जगह पर ले जाकर वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी। इस मामले में उसे जेल भेजा गया था और करीब छह महीने बाद वह जमानत पर बाहर आया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस को आरोपी के पास से ज्वलनशील केमिकल की बोतलें और 510 ग्राम चरस मिली है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने इस तरह की कितनी और घटनाओं को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

स्पेन ने सऊदी अरब को 4-0 से हरा

यामल बने सबसे कम उम्र में गोल करने वाले 8वें खिलाड़ी

अटलांटा

किशोर सुपरस्टार लामिन यामल ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार शुरुआती लाइन अप में शामिल होने के 10 मिनट के भीतर ही गोल किया जबकि मिकेल ओयारजाबल ने दो गोल दागे, जिससे स्पेन सऊदी अरब को 4-0 से हराकर विश्व कप में अपना अभियान वापस पटरी पर लाने में सफल रहा। खिताब के प्रबल दावेदार स्पेन ने अपना पहला मैच केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला था और उसे बड़ी जीत की सख्त दरकार थी। 18 वर्षीय फॉरवर्ड यामल ने दूर के पोस्ट पर स्लाइड करते हुए एक लो क्रॉस को शानदार तरीके से गोल में तब्दील कर पहला गोल दागा। इससे वह विश्व कप के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में आठवें नंबर पर काबिज हो गए। यामल को पहले मैच में दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा गया था। स्पेन की तरफ से 18 वर्षीय फॉरवर्ड यामल ने दूर के पोस्ट पर स्लाइड करते हुए एक लो क्रॉस को शानदार तरीके से गोल में तब्दील कर पहला गोल दागा। इससे वह विश्व कप के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में आठवें नंबर पर काबिज हो गए।

विश्व कप में गोल करना सपना सच होने जैसा : यामल

यामल ने कहा, 'पहले मैच में वास्तव में हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन अब हम लय में आ गए हैं और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा, मैंने हमेशा विश्व कप में खेलने का सपना देखा था और शुरुआती लाइन अप में अपने पहले ही मैच में गोल करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। मैंने पिछला विश्व कप कलासन्न में बैठकर देखा था, इसलिए अपने मां और परिवार के सामने गोल करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है।

इजिप्ट का इंतजार खत्म, दर्ज की पहली जीत, सालाह ने दागा अपना 68वां गोल

मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया

वैंकूवर

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह ने सही समय पर अपना जलवा दिखाया और निर्णायक गोल किया, जिससे मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल में अपनी पहली जीत दर्ज की। सालाह ने 67वें मिनट में अपना 68वां अंतरराष्ट्रीय गोल करने के बाद मुट्ठी हवा में लहराकर जश्न मनाया, जिसके बाद उनके साथियों ने उन्हें घेर लिया। बीसी प्लेस वैंकूवर में खचाखच भरे स्टेडियम में लाल रंग की जर्सी पहने इजिप्ट के प्रशंसक इससे रोमांचित हो गए।

जब 85वें मिनट में सालाह की जगह दूसरे खिलाड़ी को उतारा गया तो दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इस जीत के साथ मिस्र ग्रुप जी में शीर्ष पर पहुंच गया है, लेकिन अभी तक

नॉकआउट राउंड में उसकी जगह पक्की नहीं हुई है। मिस्र को शुक्रवार को सिएटल में ईरान के खिलाफ निर्णायक मैच खेलना है, जिसमें उसे आगे बढ़ने के लिए कम से कम ड्रॉ जरूरत होगी। मिस्र चार साल पहले कतर में हुए विश्व कप में नहीं खेल पाया था। वह चौथी बार विश्व कप में भाग ले रहा है। सालाह ने 2018 में रूस में खेले गए विश्व कप में दो गोल किए थे।

ग्रुप-जी का अजीब गणित, सारे मैच ड्रॉ, चारों टीमों के 2-2 अंक

इंगलवुड

बेल्जियम ने दूसरे हाफ में अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वह ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद को नहीं छका पाए, जिससे इन दोनों देशों के बीच विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप जी का मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा।

बेल्जियम और ईरान दोनों को इस मैच में जीत की सख्त दरकार थी लेकिन इन दोनों ने अपना लगातार दूसरा मैच ड्रॉ खेला। असल में ग्रुप जी में अभी तक सभी मैच ड्रॉ रहे हैं और चारों टीम के दो-दो अंक हैं। बेल्जियम हालांकि गोल अंतर के कारण सबसे नीचे है जबकि ईरान दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड पहले और मिस्र तीसरे स्थान पर है।

ईरान और बेल्जियम ने खेला ड्रा, अलीरेजा ने रोके 7 अटैक

बेल्जियम के डिफेंडर नगोय को मिला रेड कार्ड

बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को 66वें मिनट में लाल कार्ड मिला जब उन्होंने गेंद को पीछे की ओर गलत तरीके से किक किया और फिर ईरान के स्टार खिलाड़ी मेहदी तारेमी को गोल करने का साफ मौका मिलने से रोकने के लिए फाउल किया। ईरान इसका फायदा नहीं उठा सका। इसके विपरीत वह बेल्जियम था, जिसने मैच के अंतिम क्षणों में गोल करने की बेहतर मौके बनाए। लेकिन बेइरानवंद मजबूत दीवार की तरह खड़े रहे। उन्होंने सात बार गेंद को गोल में जाने से रोका। सोफी स्टेडियम में आए इस नतीजे से दोनों में से कोई भी टीम खुश नहीं होगी।

केप वर्दे का जादुई प्रदर्शन, अब उरुग्वे के साथ खेला ड्रॉ

ग्रुप एच : केप वर्दे ने किया टूर्नामेंट का पहला गोल

मियामी गार्डन्स। अपने पहले मैच में खिताब की प्रबल दावेदार स्पेन को चौंकाने वाले केप वर्दे ने अपना जादुई प्रदर्शन जारी रखते हुए दो बार के विश्व कप चैंपियन उरुग्वे के खिलाफ भी वही कारनामा दोहराया और पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच 2-2 से ड्रॉ कराया। केविन पिना ने 23वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके विश्व कप में केप वर्दे का पहला गोल किया जबकि हेलियो वारेला ने 68वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। मैक्सी अराउजो (44वें) और अगस्टिन कैनोबियो (इंजरी टाइम के छठे

मिनट) ने पहले हाफ के आखिर में गोल करके उरुग्वे को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ में उसकी टीम मौके मिलने के बावजूद गोल करने में नाकाम रही। केप वर्दे के पास नॉक आउट चरण में जगह बनाने का सुनहरा मौका है। उसके अब ग्रुप एच में उरुग्वे के बराबर दो अंक हैं और उसे अपना अंतिम मैच सऊदी अरब के खिलाफ खेलना है। केप वर्दे अटलांटिक के पश्चिमी तट पर स्थित द्वीपों का एक समूह है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 4 हजार वर्ग मीटर है। उसकी आबादी लगभग 5 लाख है। इससे केप वर्दे जनसंख्या के हिसाब से विश्व कप में खेलने वाला तीसरा सबसे छोटा देश बन गया।

खबर संक्षेप

यामाशिता ने खिताब जीता 24वें स्थान पर अदिति

बेलमोंट। भारत की अदिति अशोक अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से मायेर एलपीजीए क्लासिक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर रहीं। अदिति का टूर्नामेंट में कुल स्कोर आठ अंडर रहा। पूर्व मेजर विजेता मियु यामाशिता ने प्ले ऑफ में लेटी वेड को पछाड़कर खिताब जीता। दोनों खिलाड़ियों का स्कोर 17 अंडर पर था, जिसके बाद मियु ने पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ खिताब अपने नाम किया। अदिति शुरुआती दो दौर में तीन अंडर 36 के समान स्कोर से शीर्ष 10 में जगह बनाने की दावेदार थीं लेकिन आखिरी दो दौर में 71 के स्कोर से पिछड़ गईं।

इंग्लिश ओपनः संयुक्त 12वें स्थान पर तलवार

वॉरसेस्टरशर। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने मौजूदा साल का भारत के बाहर सर्वश्रेष्ठ नतीजा हासिल किया जब वह इंग्लिश ओपन में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर रहे। तलवार मामूली अंतर से शीर्ष 10 में

जगह बनाने से चूक गए। उनका कुल स्कोर 10 अंडर रहा और वह संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे रहे। अंतिम दौर में चार अंडर 68 का स्कोर बनाने वाले तलवार को शीर्ष 10 में जगह बनाने के लिए अंतिम होल में एक बर्डी की जरूरत थी लेकिन वह पार का स्कोर ही बना पाए। इस साल भारत में तलवार का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पीजीटीआई ओपन में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहना रहा है। अमेरिका के जॉन कैटलिन (67) ने प्ले ऑफ में नॉर्वे के क्रिस्टियन क्रोग योहानसेन (66) को पछाड़कर खिताब जीता। दोनों का स्कोर 18 अंडर रहा था जो उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से पांच शॉट बेहतर था।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप

16 वर्षीय प्रीतम ने एयर राइफल में जीता गोल्ड

सुहल

युवा निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अपने कौशल और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता, जिससे उसके पदकों की कुल संख्या 11 हो गई। इनमें पांच स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग ले रहे 16 वर्षीय प्रीतम ने 8 खिलाड़ियों के फाइनल में 251.3 का स्कोर बनाकर तटस्थ खिलाड़ी टिमोफेई एलेनिकोव और नॉर्वे के जेन्स ओस्टली को पीछे छोड़ते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। पुणे के इस

निशानेबाज ने हाल ही में अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

मेरा पूरा ध्यान प्रत्येक शॉट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर : प्रीतम

प्रीतम ने कहा, 'मैं स्वर्ण पदक जीत कर बेहद खुश हूं। प्रतियोगिता के दौरान मेरा पूरा ध्यान अपनी तकनीक और प्रत्येक शॉट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था। उन्होंने कहा, ' विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार सुधार करना चाहता हूं और देश के लिए लगातार पदक जीतना चाहता हूं।

आईसीसी ने प्रेग्नेंट महिला खिलाड़ियों के लिए जारी की नई गाइडलाइंस

दुबई

आईसीसी ने महिला क्रिकेटरों के लिए प्रेग्नेंसी के बाद खेल में वापसी को आसान बनाने के उद्देश्य से नई गाइडलाइन जारी की है। इस छह-स्तरीय योजना के तहत खिलाड़ियों को ट्रेनिंग, मेडिकल रिकवरी, यात्रा और बच्चों की देखभाल से जुड़ी सहायता मिलेगी।

इसके तहत महिला खिलाड़ी अब प्रेग्नेंसी के बाद आसानी से क्रिकेट के मैदान में वापसी कर सकेंगी। इसके लिए आईसीसी ने छह चरणों वाली

एक गाइडलाइन जारी की है। इससे बच्चे को जन्म देने के बाद महिला खिलाड़ियों का करियर प्रभावित नहीं होगा और उन्हें वापसी के लिए हरसंभव मदद मिलेगी।

आईसीसी करेगी मदद

आईसीसी की गाइडलाइन के अनुसार, क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ी के लिए एक विशेष मैनेजर नियुक्त करेगा। यह मैनेजर खिलाड़ी की हरसंभव सहायता करेगा। इसमें खिलाड़ी की ट्रेनिंग को लचीला बनाना, बच्चों की देखभाल और यात्रा में मदद करना शामिल होगा। इसके अलावा बच्चे के जन्म के बाद मेडिकल अवकाश और रिकवरी के लिए भी हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

विंबलडन में सिंगल्स खेलेंगी सेरेना, मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन

सेरेना विलियम्स ने तीन सप्ताह पहले घोषणा की थी कि वह चार साल के बाद पेशेवर टेनिस में वापसी कर रही हैं, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि यह दिग्गज खिलाड़ी 44 साल की उम्र में विंबलडन के महिला एकल में अपना जलवा दिखाएंगी।

पिछले तीन सप्ताह से कयास लगाए जा रहे थे कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विंबलडन के एकल में खेलेंगी या नहीं लेकिन अब ऑल इंग्लैंड क्लब ने एक बयान

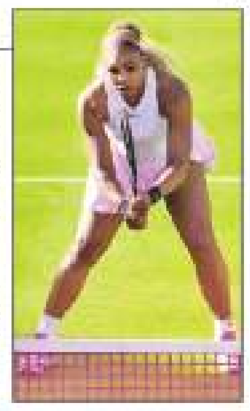

के बयान में सब कुछ साफ कर दिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब ने ग्रास कोर्ट पर होने वाले इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के शुरू होने से आठ दिन पहले बयान जारी करके कहा, 'सेरेना विलियम्स (अमेरिका) को महिला एकल वर्ग में अंतिम वाइल्ड कार्ड दिया गया है।' सेरेना इस तरह से विंबलडन में एकल और युगल दोनों में खेलेंगी। उन्होंने पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ युगल प्रतियोगिता के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। विंबलडन ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कहा, 'यह कोई 'ड्रिल' नहीं है।'

डच लेडीज ओपन : शीर्ष पांच में दीक्षा, अवनि और प्रणवी

एम्मेन

भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक किया जब दीक्षा डागर, अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स डच लेडीज ओपन में शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहीं।

दीक्षा और अवनि आठ अंडर 208 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी ने सात अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया। दीक्षा मौजूदा सत्र में चौथी बार शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि अवनि ने लगातार दूसरे टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में जगह बनाई। प्रणवी मौजूदा वर्ष में पहली बार शीर्ष पांच में शामिल रहीं।

आज से यूएस ओपन

अनुभवी और युवा जोड़ी से भारत को उम्मीदें

फुलर्टन

अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे, जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल 7 भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू के खिलाफ खेलेंगे। सातवें वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी जापान के चौथे वरीयता प्राप्त कुदाई ओनिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यिन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालीफायर से होगा।

तन्वी का पहला मुकाबला यवोन ली के खिलाफ

महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। राउंड वर्फिंड तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लुसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नालबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता का सामना पहले दौर में क्वालीफायर से होगा।

एफआईएच प्रो लीग : एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के बाद पहली बार होगा आमना-सामना

जीत की लय के साथ आज पाकिस्तान के खिलाफ उतरेगी हॉकी टीम

लंदन

ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ रोमांचक जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के शुरुआती मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ इसी लय को बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत और पाकिस्तान 2024 में चीन के हुलुनबुइर में हुए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी मुकाबले के बाद पहली बार एक-दूसरे का सामना करेंगे।

उस मैच में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की बदौलत भारत ने 2-1 से जीत हासिल की थी। भारत ने रोटरडम में चार में से दो मैच जीते। उन्होंने रविवार को रोटरडम चरण के आखिरी मैच में मेजबान और दुनिया की दूसरे नंबर की टीम

नीदरलैंड को 3-2 से हराया। भारत को दूसरी जीत (3-1) मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के खिलाफ मिली। अन्य दो मैच में भारत को नीदरलैंड के खिलाफ 2-3 जबकि जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

नीदरलैंड चरण का अनुभव बहुमूल्य

भारतीय टीम के लिए नीदरलैंड चरण का अनुभव बहुमूल्य रहा है। टीम इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल इस साल होने वाली दो बड़ी प्रतियोगिताओं एफआईएच विश्व कप और एशियाई खेलों (जो ओलंपिक क्वालीफायर भी है) से पहले अपनी कमियों को सुधारने के लिए कर रही है। 9 टीम वाली प्रो लीग तालिका में भारत अभी आठवें नंबर पर है। वे अपने अगले प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आगे हैं, जिसने टूर्नामेंट में अब तक एक भी अंक हासिल नहीं किया है।

महिला खिलाड़ियों ने जीता कांस्य पदक

भारत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में अंजलि भागवत, परिशा गुप्ता और सिमिला क्रिस्टोफर के संयुक्त प्रयास से कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने कुल मिलाकर 1713 अंक बनाए। अंजलि इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय निशानेबाज थीं। उन्होंने 577 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया। फाइनल में हालांकि वह छठा स्थान ही हासिल कर पाईं।

शीर्ष तीन में जगह बनाने से चूके पीयूष: प्रीतम और उनके साथी पीयूष शर्मा क्वालीफाइंग राउंड में क्रमशः 628.2 और 629.0 का स्कोर बनाकर क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं। इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर झलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विक्रय करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैरेंटिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरी अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना। त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लींजिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेसवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल

गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हे की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चाहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

'न्यायालय आपके द्वार' मुहिम से गरीबों को इंसाफ दिला रहे डीएम

- जिलाधिकारी ने की स्टाम्प, आर्म्स एक्ट और गुण्डा एक्ट के मुकदमों की सुनवाई
- गुण्डा एक्ट में एक वादी को किया गया 01 लाख के मुचलके पर पाबंद, दूसरे वादी को किया जिला बदर
- सालों से कोर्ट के चक्कर काटने वालों को घर बैठे एक ही दिन में मिल रहा न्याय
- डीएम की पहल लोगों को काफी राहत पहुंचा रही है, प्रतिभाग कर रहे अधिवक्ताओं ने भी की प्रशंसा

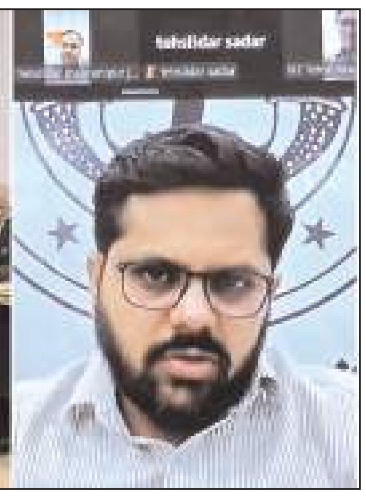

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। न्याय के लिए दौड़ते-भागते काफी समय बीत गया लेकिन कहीं से भी उम्मीद की किरण नजर नहीं आ रही थी। 'न्यायालय आपके द्वार' डीएम की पहल लोगों को काफी राहत पहुंचा रही है।

जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी की ओर से जनता को न्याय दिलाने के मकसद से जनपद में भी 'न्यायालय आपके द्वार' मुहिम की शुरुआत की गई है। अब इसकी गूंज जनपद के ग्रामीण क्षेत्र तक भी पहुंची। जनपद में डीएम की अनोखी पहल 'न्यायालय आपके द्वार' उन गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जो सालों से अपने हक के लिए अदालतों के चक्कर काट रहे हैं, इस पहल के तहत जिलाधिकारी खुद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मामलों की सुनवाई करते हैं। अधिकारियों को मौके पर भेजकर तुरंत न्याय दिलाते हैं, अब तक काफी मुकदमों की सुनवाई करके उनका निस्तारण किया जा चुका है। इस मुहिम का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है जो दूर-दराज के इलाकों से न्याय के लिए मुख्यालय आते थे, कई बार उन्हें किराए के पैसे जुटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, अगर जिलाधिकारी उपलब्ध नहीं होते थे तो उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता था। अब उन्हें मुख्यालय तक आने की भी जरूरत नहीं पड़ रही है। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी की इस मुहिम की सराहना अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम में शामिल होने आए मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने की बल्कि पूरे प्रदेश में हो रही है। 'न्यायालय आपके द्वार' से ऐसे मिलता है न्याय :पीड़ित अपने केस का पंजीकरण तहसील या न्यायालय में कराना होता है वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए सुनवाई के दौरान दोनों पक्ष अपनी बात रखते हैं। डीएम जमीन से संबंधित मामलों में लेखपाल आदि को मौके पर भेजते हैं. डीएम साक्ष्यों और गवाही के आधार पर फैसला सुनाते हैं। इस पहल से वादकारियों को बार-बार मुख्यालय न आना पड़े, इसी को लेकर यह रणनीति तैयारी की गई। साल 2023 में उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश दिया था कि जिला स्तर पर वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुकदमों को सुना जाए, इसी दिशा में यह कार्य प्रारंभ किया गया है। आज जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी द्वारा ''न्यायालय आपके द्वार'' के माध्यम से मुकदमों के जल्द निस्तारण किये जाने के दृष्टिगत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व/स्टाम्प कमी के वाद एवं फौजदारी जैसे 3 यू0पी0 गुण्डा अधिनियम एवं 17 आर्म्स एक्ट के वादों में सुनवाई की गयी। सुनवाई के दौरान उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3(1) के तहत थाना बरुआसागर की पत्रावली में सरकार बनाम आकाश एवं सरकार बनाम सुरेन्द्र यादव, थाना सीपरी बाजार की पत्रावली अजय गुजर्र उर्फ राघवेन्द्र एवं थाना रक्सा की पत्रावली नन्दू उर्फ प्रीतम सिंह में सुनवाई की गयी। विपक्षी सुरेन्द्र यादव को 01 लाख के मुचलके से पाबंद किया गया तथा 06 माह तक पन्द्रह दिवस में प्रत्येक शनिवार को थाना में हाजिर होने का आदेश पारित किया गया। इसी क्रम में सरकार बनाम आकाश, सरकार बनाम अजय गुजर्र उर्फ राघवेन्द्र एवं सरकार बनाम नन्दू उफ 'प्रीतम सिंह को जिला बदर किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान थाना गरौठा अंतगर्त सरकार बनाम महेश प्रसाद धारा 17 आर्म्स एक्ट की भी थाने से सुनवाई की गयी। मौजा टांकोरी एवं मौजा लहरगिर्द के दो स्टाम्प वादों की जांच क्षेत्रीय लेखपाल के साथ उप निबंधक झांसी सदर प्रथम एवं सदर द्वितीय द्वारा मौके पर जाकर की गयी। उप निबंधकों को स्पॉट मीमो एवं आख्या प्रेषित करने के निदेर्श दिये गये। उक्त के अतिरिक्त उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 की धारा 67(5) के तहत तीन वादों की सुनवाई की गयी। मौके क्षेत्रीय नायब तहसीलदार के साथ राजस्व निरीक्षक व लेखपाल उपस्थित रहे। गांव सभा की भूमि पर कब्जा पाये जाने पर सम्बन्धित को पुन: नाप कर आख्या प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई के समय मौके पर राजस्व टीम के साथ अपीलार्थी, उप निबंधक झांसी सदर प्रथम, एवं द्वितीय, क्षेत्रीय लेखपाल, प्रभारी निरीक्षक, सीपरी बाजार, कोतवाली, रक्सा, गरौठा, तहसीलदार सदर, तहसीलदार मऊरानीपुर, उपस्थित रहे। कोर्ट रूम शिव प्रताप शुक्ला अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अजय कुमार मिश्रा संयुक्त निदेशक अभियोजन, आकाश रंजन ई0 डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, सुनील प्रजापति पेशकार, वरिष्ठ सहायक शिवाकांत सहित अधिवक्तागण मौजूद रहे।

जी.डी. गोयंका हेल्थकेयर अकैडमी का शुभारंभ, स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बुंदेलखंड को बड़ी सौगात मिली है, झांसी में जीडी गोयंका हेल्थकेयर अकैडमी का भव्य शुभारंभ किया गया। यह संस्थान स्वास्थ्य एवं पैरामेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगारपरक अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मोहित मेहरा, चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर, जीडी गोयंका हेल्थकेयर रहे। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक स्वास्थ्य शिक्षा एवं कौशल विकास से जोड़कर बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

अकैडमी के संस्थापक डॉ. अभिषेक जैन, संस्थापक, मैक्सकेयर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने कहा कि झाँसी एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब स्वास्थ्य क्षेत्र में उच्च स्तरीय शिक्षा और आधुनिक प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होगा। इस अवसर पर अकैडमी के निदेशक अभिनव जैन ने संस्थान की भावी योजनाओं और विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अकैडमी में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, ओटी टेक्नीशियन, रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, आईसीयू एवं इमरजेंसी केयर, कार्डियक केयर, फिजियोथेरेपी, ऑप्टोमेट्री, हॉस्पिटल मैनेजमेंट और फ्लेबोटोमी जैसे रोजगारपरक कोर्स संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जीडी गोयंका हेल्थकेयर, दिल्ली से आए वरिष्ठ अधिकारी अंकित बंगर एवं गुलजार सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था, प्लेसमेंट सहायता और करियर संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राघव अग्रवाल, सेंटर हेड, जीडी गोयंका हेल्थकेयर अकैडमी झांसी ने किया। संस्थान की विशेष बात यह है कि यहां 10वीं, 12वीं एवं ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए एडमिशन ओपन हैं। विद्यार्थियों को ?50,000 तक स्कॉलरशिप, आसान फीस विकल्प और 0% ब्याज पर शिक्षा ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अकैडमी में आधुनिक लैब, अत्याधुनिक उपकरण, अनुभवी फैकल्टी एवं हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की सुविधा दी जाएगी। साथ ही संस्थान द्वारा विद्यार्थियों को 100% प्लेसमेंट सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, फार्मा कंपनी, हेल्थकेयर इंडस्ट्री एवं सरकारी-निजी क्षेत्र में बेहतर करियर अवसर मिल सकेंगे। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मन मोहक वर्णन किया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । नैमिषारण्य धाम में श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा व्यास श्री कृपा शंकर जी महाराज चित्रकूट धाम ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मन मोहक वर्णन किया तथा श्री कृष्ण द्वारा बालपन में पूतना, अकासुर, बकासुर सहित अनेक राक्षसों के वध की कथा सुनाई, माखन चोरी की कथा के माध्यम से गोपियों का कृष्ण के प्रति निश्छल प्रेम का वर्णन करते हुए बताया कि गोपियों का प्रेम कुछ प्राप्ति के लिए नहीं था बल्कि उनका अपने आराध्य के प्रति समर्पण था । इस अवसर पर कथा में झांसी से राकेश त्रिपाठी, सुनीता त्रिपाठी, श्री कृष्ण ओमहरे, दशरथ गुप्ता, दिवाकर दुबे, रश्मि त्रिपाठी,महेश चन्द्र, पप्पू सोनी,राजेंद्र त्रिपाठी उरई, अखिलेश मिश्रा पिरौना सहित सम्पूर्ण बुन्देल खंड के अनेक जिलों से पधारे श्रद्धालुओं ने कथा में सम्मलित होकर पुण्य लाभ लिया । संयोजक श्री देव करण शास्त्री जी छलांगी जी महाराज ने बताया कि श्री नेमीशरण्य तीर्थ में श्रीमद्भागवत कथा कराने, सुनने से हजार गुना पुण्य लाभ प्राप्त होता है। मुख्य आचार्य श्री अरविन्द शास्त्री परसुआ के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कितना झूँठा, कितना सच्चा, उरगॉव गौशाला का मामला?

गोशाला में बीमार गोवंश के मांस को नोंचकर खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, प्रधान ने झूठा बता कर कोतवाली में दी तहरीर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। गोशाला में बीमार गोवंश के मांस को नोंचकर खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रधान ने जानबूझकर उसकी छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देंश्य से वीडियो वायरल होने की बात कहते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम उरगांव स्थित गोशाला में सुअर द्वारा एक बीमार गोवंश का मास नोंचकर खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप है कि वायरल वीडियो में आरोप लगाया गया कि गोशाला में गायें की सही से देखभान नहीं हो रही है। इसको लेकर गांव की प्रधान शारदा ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गोशाला में एक गोवंश दो दिन से बीमार था। जिसके बीमार होने की सूचना तत्काल पशु चिकित्साधिकारी को दे दी गई थी। उनके द्वारा बीमार गोवंश का उपचार भी कराया गया। लेकिन इसी दौरान गांव के ही कुछ आराजक तत्वों ने उनकी छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से जान बूझकर गोशाला में प्रवेश किया। सुअर को आटा डालकर वह उसे गोशाला के अंदर ले गए। जहां उन्होंने वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उन्होंने जानबूझकर गोशाला की व्यवस्था को प्रभावित करने और उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है। इस बाबत बीडीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है वह जानकारी कर रहे हैं। जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने नगर में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने नगर में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

कोतवाल हरिशंकर चंद के नेतृत्व में पुलिस बल ने नगर के विभिन्न मार्गों, झंडा चौराहा, छत्रसाल रोड, तकिया, छड़ और ताजिया जुलूस मार्गों पर पैदल गश्त किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया गया और मार्गों पर मौजूद लोगों से संवाद भी किया गया। कोतवाल ने लोगों से कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह पर विश्वास न करें और ऐसी कोई सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। उन्होंने सोशल मीडिया का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की भी अपील की और चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गश्त के दौरान पुलिस ने जुलूस मार्गों पर यातायात व्यवस्था, संवेदनशील स्थलों और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। नगर में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके। इस मौके पर चौकी प्रभारी मनीष तिवारी, एसआई अमर सिंह, अटल बिहारी, राजेश वशिष्ठ आदि रहे।

राम नाम जीवन का सार है - महावीर दास ब्रह्मचारी

-राम नाम जप की है विशेष महिमा - विश्वभूषण दास

-भगवान को अगर सच्चे मन से पुकारो तो वह चले आते है - रजनीकांत शास्त्री

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। श्री तुलसी आश्रम चिरगांव में आयोजित श्री राम महायज्ञ में भक्त यज्ञ में आहुति समर्पित कर रहे हैं साथ ही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं मानव सम्मेलन में संतों की वाणी से प्रवचन श्रवण कर रहे हैं आज यज्ञाचार्य पं.शंकर लाल शास्त्री जी महाराज ने यज्ञ का पूजन एवं हवन कराया व भागवत कथा का वाचन आचार्य पं.रजनीकांत शास्त्री जी महाराज ने भागवत के सार की कथा श्रवण करायी उन्होंने कहा भगवान को अगर सच्चे मन से पुकारो तो वह चले आते हैं रुक्मणी ने भगवान को पुकारा वह आए उनकी मनोकामना पूर्ण की। और मानस सम्मेलन प्रवचन में पूज्य आचार्य महावीर दास ब्रह्मचारी महाराज ने राम नाम की महिमा का व्याख्यान किया भगवान के नाम की बड़ी महिमा है राम नाम जीवन का सार है साथ में पूज्य रामबालक दास जी महाराज, राघवेंद्र रामायणी, संतोष रामायणी, ने सभी भक्तों को प्रवचन श्रवण कराये व कार्यक्रम का संचालन पं.सियारामशरण चतुर्वेदी प्रधानाचार्य ने किया। अंत में सभी का आभार तुलसी पीठ के महंत पं.विश्वभूषण दास जी महाराज ने किया।

बॉयफ्रेंड से बात करते पकड़ी गई पत्नी ने जहर निगला

इलाज के दौरान मौत; पति बोला-सरपंच से अफेयर था, वही मोबाइल देता था

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। मेडिकल कॉलेज में सोमवार देर रात एक 25 वर्षीय महिला को मृत घोषित कर दिया गया। महिला ने कथित तौर पर दीमक मारने की दवा पीकर आत्महत्या कर ली। पति का आरोप है कि उसने पत्नी को गांव के सरपंच से फोन पर बात करते हुए पकड़ा था। इसके बाद उसने ससुराल पक्ष को पंचायत के लिए बुलाया था। घटना मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के बड़ागांव थाना क्षेत्र के अंतोरा गांव की है।

पुलिस के मुताबिक, अंजू चरार (25) की शादी वर्ष 2018 में अंतोरा निवासी अनिल चरार से हुई थी। दोनों के दो बेटे राज (7) और आर्यन (6) हैं। अनिल ने बताया कि पिछले करीब छह महीने से पत्नी का व्यवहार बदल गया था और वह उससे दूरी बनाने लगी थी। अनिल का कहना है कि करीब 15 दिन पहले उसने अंजू को गांव के सरपंच से फोन पर बात करते हुए पकड़ा था। पूछताछ करने पर अंजू ने कथित तौर पर सरपंच से संबंध होने की बात स्वीकार की थी और यह भी बताया था कि मोबाइल फोन उसे सरपंच ने दिया था। इसके बाद अनिल ने अंजू के पिता को बुलाकर पंचायत कराई थी। परिवार के समझाने पर अंजू ने दोबारा संपर्क न करने का भरोसा दिया था। अनिल के अनुसार, सोमवार शाम वह घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित किराना दुकान पर काम कर रहा था। शाम करीब पांच बजे पानी पीने घर पहुंचा तो उसे अंजू के फोन पर किसी से बात करने की भनक लगी। शक होने पर उसने पत्नी से पूछताछ की, लेकिन वह फोन होने से इनकार करती रही। बाद में कपड़ों में छिपाया गया मोबाइल बरामद हो गया। अनिल का कहना है कि उसने बिना किसी विवाद के अंजू के पिता को फोन कर घर बुलाया और खुद वापस दुकान पर चला गया। इसी दौरान शाम करीब छह बजे उसकी छोटी बहन ने आकर बताया कि अंजू ने जहर खा लिया है। परिजन अंजू को तत्काल टीकमगढ़ जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनिल ने बताया कि पहली बार पत्नी के सरपंच से बात करते हुए पकड़े जाने के बाद उसने तय कर लिया था कि यदि वह संबंध खत्म नहीं करती है, तो वह उसकी शादी सरपंच से ही करा देगा। उसका आरोप है कि सरपंच पहले से शादीशुदा है और अंजू का इस्तेमाल कर रहा था। अनिल ने बताया कि उसने पत्नी को समझाने के साथ यह भी कहा था कि यदि वह उसके साथ नहीं रहना चाहती तो अपनी इच्छा के अनुसार निर्णय ले सकती है, लेकिन अंजू ने दोबारा ऐसा नहीं करने का आश्वासन दिया था। उसके अनुसार, अंजू ने घर में रखी दीमक मारने वाली दवा पीकर आत्मघाती कदम उठाया।

पुलिस ने तीन शातिर टप्पेबाज किए गिरफ्तार, भेस बदल कर देते थे घटना को अंजाम

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। उत्तर प्रदेश की बांदा पुलिस को एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है, जहां पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन शातिर टप्पेबाजों को लगभग 75 हजार रुपए कैस के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से पुलिस को एक अवैध असलहा और एक चार पहिया कार भी मिली है। ये टप्पेबाज गिरोह भेष बदलकर लोगों को अपने झांसे में लेकर घटना को अंजाम देते थे।

दअरसल पूरा मामला तिंदवारी थाना अंतर्गत का है। जहां फतेहपुर निवासी मनीष साहू ने सूचना दी कि फतेहपुर से बांदा आते समय बेंदाघाट चौराहे के पास साधू के भेष में एक व्यक्ति मिला और पैसे दो गुना करने का लालच देने लगा तभी चारपहिया गाड़ी से दो लोग आए और गाड़ी में रखे 50 हजार रुपए चुरा लिए फिर तीनों लोग उसी गाड़ी में बैठकर फरार हो गए, जब वह अपनी गाड़ी में गया तो देखा पैसे गायब थे। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की और तलाश शुरू की तभी मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी भिड़ौरा रोड पर घटना को अंजाम देने की फिराक में है जिन्हें घेर कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने पूंछ ताँछ में बताया कि वे सभी साधू - संत का भेष बदलकर स्वयं को धार्मिक और आध्यात्मिक व्यक्ति बताकर लोगों का विश्वास जीत लेते थे और पैसे दुगना करने सहित धन वर्षा का झांसा देकर रुपए और कीमती आभूषण टप्पेबाजी कर फरार हो जाते थे। बीते दिनों ऐसी ही एक घटना शहर के स्टेशन के पास एक महिला को झांसा देकर आभूषणों की टप्पेबाजी की थी। आरोपी अजय जनपद मथुरा का निवासी है और नवाब नाथ गौतमबुद्ध नगर का रहने वाला है वहीं गौरव नाथ हरियाणा के पलवल का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस अब आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी में जुट गई है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718